श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़ें

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 49 ग्वालियर, शनिवार 19 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

सेमीकॉन इंडिया में मुख्यमंत्री यादव ने कंपनियों से किया संवाद, इंदौर में 23-24 अक्टूबर को होगा निवेशक सम्मेलन

सेमीकंडक्टर निवेश के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित सेमीकॉन इंडिया-2026 में मध्यप्रदेश पवेलियन का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश, तकनीकी सहयोग और उद्योग विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार उद्योगों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. यादव ने पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, स्प्रिन्टोनिक्स एआई, एनएक्सपी इंडिया, मार्वल सेमीकंडक्टर्स, एलएंडटी सेमीकंडक्टर्स और स्वदेश आईसी सेमीकंडक्टर्स सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्रुप के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की।

जापान, कोरिया, अमेरिका और स्वीडन के प्रतिनिधियों से चर्चा : मुख्यमंत्री ने जापान की एक्रेटेक, केनन और कैइजो, कोरिया की हनवा और जेनसेम इंक तथा अमेरिका की मेकडरमिड अल्फा के प्रतिनिधियों से चर्चा की। जापानी प्रतिनिधिमंडल में आक्साईड कॉर्पोरेशन, स्केल फोटोनिक्स और इम्प्यूट इंक के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

उन्होंने किष्किंधा इंटरनेशनल, डिजिकॉम, सिग्निटयूट, स्टेम्बो टेक्नोलॉजी, ट्रू-चिप सोल्युशन, बनाश्री सेमीकंडक्टर्स, वीएलएसआई एक्सपर्ट और न्यूजिमो सेमीकंडक्टर्स सहित चिप डिजाइनिंग क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मोहाली चिप डिजाइनिंग पवेलियन और स्वीडिश पवेलियन का भी अवलोकन किया।

इंदौर में 23-24 अक्टूबर को निवेशक सम्मेलन : मुख्यमंत्री ने बताया कि 23 और 24 अक्टूबर को इंदौर में बड़ा निवेशक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े निवेशकों को मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों और राज्य की नीतियों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार देश-विदेश के निवेशकों से लगातार संवाद कर रही है।

डॉ. यादव ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर पैदा होंगे। विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी से नए उद्योगों और कारोबार का तंत्र विकसित होने की संभावना है।

मुरार के क्षेत्रीय कार्यालय में लगा शिविर, सैकड़ों आवेदन लेकर पहुंचे नागरिक

जन विश्वास शिविर में 36 से अधिक समस्याओं का मौके पर निराकरण

ग्वालियर जीएनएस

आमजन को शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-9, माल रोड मुरार में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमजन से जुड़ी 36 से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया।

शिविर में क्षेत्राधिकारी प्रगति गोस्वामी सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक अपनी

समस्याएं और आवेदन लेकर पहुंचे। विभिन्न विभागों एवं नागरिक सुविधाओं से संबंधित सैकड़ों आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने आवेदनों को दर्ज कर संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए।

इन स्थानों पर लगेंगे आगामी शिविर : मुख्यमंत्री जन विश्वासअभियान के तहत आगामी शिविर 25 सितंबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-17, ढोली बुआ का पुल पर आयोजित होगा। इसके बाद 9 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-10 में जिला स्तरीय शिविर लगाया जाएगा। 16 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-3 एवं 14, 23 अक्टूबर को 10 एवं 24, 30 अक्टूबर को 7 एवं 22, 6 नवंबर को 4 एवं 20, 13 नवंबर को 11 एवं 21, 20 नवंबर को 18 एवं 25 तथा 27 नवंबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-23 में शिविर होगा।

इसके अलावा 4 दिसंबर को कार्यालय क्रमांक-5, 12 दिसंबर को क्रमांक-12, 18 दिसंबर को क्रमांक-19, 1 जनवरी 2027 को क्रमांक-1 और 8 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-13 में शिविर आयोजित किया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर मार्ग के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सचिन तेंदुलकर मार्ग का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी के सीईओ एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव सहित संबंधित अधिकारी और ठेकेदार मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने सड़क पर बनाए गए सीवर चैंबरों को सड़क के समतल करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार को सड़क निर्माण का शेष कार्य तत्काल शुरू कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने कहा कि बारिश का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है, इसलिए सड़क के बचे हुए हिस्से का निर्माण कार्य तेज गति से कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही या लेटलतीफी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ अनुबंध की शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुस्तक मेले के सातवें दिन विद्यार्थियों ने खरीदी पुस्तकें, संतों ने दिया आशीर्वाद; कथक और नृत्य नाटिका ने मोहा मन

किशोरों और युवाओं की पसंद बनी आचार्य जी की पुस्तकें

ग्वालियर जीएनएस

विराट पुस्तक मेले के सातवें दिन किशोरों और युवाओं में तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के साहित्य के प्रति रुचि देखने को मिली। सेंट्रल एकेडमी स्कूल के करीब 50 एनसीसी कैडेट्स ने दोपहर में मेले का भ्रमण किया और विद्यार्थियों ने विभिन्न पुस्तकें खरीदीं।

आयोजन समिति के अनुसार आचार्य जी के साहित्य को विभिन्न शासकीय और निजी स्कूलों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में स्थापित किया जा रहा है। मेले में प्रतिदिन उद्योगपति, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, न्यायाधीश, कुलपति, प्राध्यापक, शिक्षक, साहित्यकार आदि को आमंत्रित कर विचार संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। अतिथियों को आचार्य जी का साहित्य भेंट किया जा रहा है।

आयोजकों ने बताया कि अधिक से अधिक लोगों तक साहित्य पहुंचाने के उद्देश्य से दानदाताओं के सहयोग से पांच हजार रुपए से अधिक की पुस्तकों की खरीद पर 20 प्रतिशत और 500 रुपए से अधिक की खरीद पर 10 प्रतिशत की रियायत दी जा रही है। आचार्य जी द्वारा लिखित

वाड्मय पर मेले में 50 प्रतिशत की रियायत उपलब्ध है।

दोपहर दो बजे विवेकानंद केंद्र की महिला मंडल की विचार गोष्ठी हुई। श्रीमती सरोज अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित गोष्ठी में आचार्य श्रीराम शर्मा और स्वामी विवेकानंद के विचारों की समानता पर चर्चा की गई।

शाम चार बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम में मोक्षी के नेतृत्व में पीहू भोला और मन्नत भोला ने माधव संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर की ओर से कथक की प्रस्तुति दी।

इसके बाद श्रीमती सौम्या गुप्ता के निर्देशन में ऋंभरा महिला मंडल की महिलाओं ने 'आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी' विषय पर लघु नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।

शाम 5.30 बजे विभिन्न संप्रदायों के संतों का उद्बोधन और आशीर्वाद कार्यक्रम हुआ। इसमें संत कृपाल सिंह, श्री प्रहलाद सिंह प्रजापति, ब्रह्माकुमारी केंद्र प्रभारी श्रीमती अर्चना शर्मा, रामकृष्ण मिशन के श्री दीनबंधु, करह धाम के श्री शीतल दास महाराज, घाटीगांव के सद्गुरु डोली बुआ महाराज और नाथ संप्रदाय के संतों सहित विभिन्न संत शामिल हुए। संतों ने गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं को पुस्तक मेले के आयोजन के लिए आशीर्वाद दिया।

मेले के संयोजक यशराज भंसाली और सहसंयोजक आरके चोपड़ा ने बताया कि 19 सितंबर को दोपहर दो बजे भारत विकास परिषद की महिला पदाधिकारियों की विचार गोष्ठी होगी। शाम चार बजे श्रीमती रुपाली गोखले भजन एवं सितार वादन प्रस्तुत करेंगी। शाम 5.30 बजे सामाजिक संस्थाओं के प्रमुखों के साथ विचार संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

अप्रेन्टिसशिप युवा संगम एवं रोजगार व स्वरोजगार मेला 22 को

ग्वालियर, जीएनएस।
युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 22 सितम्बर को प्रातः 11 बजे से गदाईपुरा रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप युवा संगम का आयोजन होगा। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण शाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे इस रोजगार मेले में आकर्षक पैकेज पर निजी क्षेत्र की 34 कंपनियां भर्ती के लिये आ रही हैं।

उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा संगम में भर्ती करने आ रही कंपनियों में क्रिक आईटी सॉल्यूशन इन कंसल्टेंसी ग्वालियर, पेटीएम सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, भारत- पे प्राइवेट लिमिटेड ग्वा0, आई सेक्ट ग्वालियर, टीमलीस प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, इन्दौर, दिल्ली, जमुना आटो प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, एस0 आर0 एफ0 प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, भारतीय एक्सा लाइफ इन्श्योरेंस ग्वालियर, सेनेटस प्राइवेट लिमिटेड ग्वा0, जॉबफेयर नाउ प्राइवेट लिमिटेड चेकमेट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जामनगर गुजरात, ब्लिकिट वेयर हाउस प्राइवेट लिमिटेड फारूख नगर गुरूग्राम जे0बी0 मंधाराम फूड प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, कुल कवच वैश्विक सुरक्षा सर्विस अहमदाबाद, ए0 एस0 एम0 हुन्डई प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर आर0 एस0 पी0 एल0 मेनपावर सर्विस पंजाब, ग्लोबल सिक्योरिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ठाठीपुर ग्वालियर, एम0 आर0 ए70 टायर प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, धम्मा इंटरप्राइजेज नूडल मैनुफेक्चरिंग खेड़ा, गुजरात, अप्रेंटिसेज ट्रेनीज गाँव मंगार, करनाल, हरियाणा, रविया वर्कफोर्स प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ (उ0प्र0), एल0 आई0 सी0 ग्वालियर, स्टेन्डर्स सर्विस प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, प्रो-कनेक्ट, जेप्टो, इनामो वेयरहाउस नोयडा गुडगांव, अग्निस्टोक टेक्नोलॉजी ग्वालियर, आरएसटी ग्रुप ऑफ सर्विस ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, सीएससी सेंटर शिवपुरी, ग्वालियर, ग्रेट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, समीक्षा इंस्टीटयूट फूलबाग ग्वालियर, वेलसंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, पथवेस्ता कैरियर स्किल कॉर्पोरेशन, टीवीएस इलेक्ट्रोनिक लिमिटेड भोपाल, मैडी एस इन्फिनिटी इंश्योरेंस आईएमएफ प्राइवेट लिमिटेड भोपाल एवं सुप्रीम प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर भिण्ड आदि शामिल हैं।

इन पदों के लिये होगी भर्ती

इन कंपनियों द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, ट्रेनी वर्कर, मशीन ऑपरेटर असिस्टेंट मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर, डिप्टी मैनेजर इलेक्ट्रीशियन, अभिकर्ता, अप्रेंटिस ट्रेनी, सैल्स एग्ज्यूकेटिव, फील्ड सैल्स एग्ज्यूकेटिव, ट्रेनीज, ऑफिस मैनेजमेंट, सिक्योरिटी मैनेजमेंट, पर्यवेक्षक, स्टोर कीपर, कार्यालय सहायक, हेल्पर, सुरक्षा जवान, दूर गाइड, असिस्टेंट मैनेजर, सुपरवाइजर, टेली कॉलर, ड्रायवर, प्यून, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में सी, फिटर, टर्नर एवं मशीनिष्ट, आई.टी.आई. टेलीकॉलिंग, कम्प्यूटर ऑपरेटर सभी ट्रेड में इत्यादि पदों पर भर्ती विभिन्न क्षेत्र के सेक्टर के लिये की जायेगी। रोजगार मेले में 18 वर्ष से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। वेतनमान 10 हजार से 45 हजार रुपए तक देय होगा।

यह दस्तावेज साथ में लाने होंगे: प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिये युवाओं को समग्र आईडी, रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में उपस्थित होने वाले युवक-युवतियों के लिये कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 'नमोड्रोन' दीदी के साथ उड़ाया

गुना, जीएनएस।
गुना के बरखेड़ा गिर्द में शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर में पहुँचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नमो ड्रोन दीदी किरण के साथ ड्रोन उड़ाया। उनके साथ ड्रोन संचालन का अनुभव प्राप्त किया।

केंद्रीय मंत्री के समक्ष किरण ने ड्रोन संचालन की तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने उनकी कार्यकुशलता, आत्मविश्वास एवं तकनीक के प्रति सजगता की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का प्रभावी उपयोग कर नई संभावनाओं का सृजन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास तथा आधुनिक तकनीक के विस्तार को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। नमो ड्रोन दीदियां आत्मनिर्भरता, नवाचार और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायी मिसाल बन रही हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किरण के आत्मविश्वास की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा आधुनिक तकनीक को सहजता से अपनाना बदलते भारत की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जबलपुर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं जनजातीय नायक राजा शंकर शाह जी और रघुनाथ शाह जी के बलिदान दिवस पर राजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह संग्रहालय पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए दोनों महानायकों के अमर बलिदान एवं अतुलनीय योगदान का स्मरण किया।

सेवा संकल्प अभियान का श्रीमती इन्दिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय में शुभारंभ हुआ

शिवपुरी, जीएनएस।
शासन के निर्देशानुसार श्रीमती इंदिरा गांधी शासकीय कन्या महाविद्यालय, शिवपुरी में विगत दिवस 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एन. के. जैन के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सेवा, सहयोग, सामाजिक उत्तरदायित्व, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी डॉ. रेनू राय ने छात्राओं को 'सेवा संकल्प अभियान' के उद्देश्यों एवं महत्व की जानकारी दी तथा अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. पल्लवी सक्सेना ने किया। प्रो. कृष्णकांत वर्मा एवं डॉ. देवेंद्र सिंह ने छात्राओं को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा सेवा कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर प्रो. नीलेश चौधरी ने कविता के माध्यम से छात्राओं को सेवा एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने सेवा को मानवता, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का आधार बताते हुए छात्राओं से जरूरतमंदों की सहायता करने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रजनी ने आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात उपस्थित छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने सेवा, सहयोग एवं जनकल्याण की भावना को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सागर शराब कांड के पीड़ित परिवारों के समर्थन में आम आदमी पार्टी का धरना-प्रदर्शन

भोपाल। सागर शराब कांड के पीड़ित परिवारों को न्याय एवं उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी, मध्य प्रदेश द्वारा दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री प्रदेश मध्यप्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदेशभर से पहुंचे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवारों के समर्थन में आवाज बुलंद की। शिवपुरी जिला अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ÷बब्लू÷ से शहर अध्यक्ष आयुष गोयल भी अपनी टीम लेकर भोपाल पहुंचकर प्रदर्शन में सहभागिता की और मृतकों के परिवारों को ?25 लाख मुआवजा, प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

थाना जनकगंज क्षेत्र स्थित दरगाह के पास लक्ष्मीगंज में हार जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे 05 जुआरियों को पुलिस ने पकड़ा

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में जुआरियों व सटोरियों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में दिनांक 17.09.2026 को थाना जनकगंज पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र में मेहरा साहब की तलैया वाली दरगाह के पास लक्ष्मीगंज में कुछ युवक हार जीत का दाव लगाकर ताश पत्ते से जुआ खेल रहे हैं। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिस पर से अति0 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) द्वारा थाना जनकगंज पुलिस की टीम बनाकर उक्त सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी लश्कर श्रीमती किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी जनकगंज निरीक्षक अतुल सिंह सोलंकी के द्वारा पुलिस की टीम को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु भेजा गया। पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान मेहरा साहब की तलैया वाली दरगाह के पास लक्ष्मीगंज में कुछ युवक हार जीत का दाव लगाकर रूपयों से ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए दिखाई दिये।

पुलिस टीम द्वारा घेरकर जुआरियों को पकड़ा और उनका नाम पता पूछा तो अपने नाम क्रमशः (1) नीरज चौरसिया पुत्र पुरुषोत्तम चौरसिया उम्र 25 साल निवासी जनकपुरी ग्वालियर (2) संजय मुदगल पुत्र बसंत मुदगल उम्र 25 साल निवासी गोकुलपुर गिरवाई ग्वालियर (3) शेखर चौरसिया पुत्र पुरुषोत्तम चौरसिया उम्र 19 साल निवासी जनकपुरी गोलपहाडिया ग्वालियर (4) रवि चौरसिया पुत्र राजू चौरसिया उम्र 25 साल निवासी जनकपुरी ग्वालियर (5) लक्ष्मण जाट पुत्र सुरेन्द्र सिंह उम्र 37 साल निवासी संजय नगर लक्ष्मीगंज ग्वालियर बताये।

पुलिस द्वारा आरोपीगण के कब्जे से 52 ताश के पत्ते की एक गड्डी तथा कुल नगदी 8520/- रुपए नगद जप्त किये गये। आरोपीगणों का उक्त कृत्य धारा 13 जुआ एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपीगण से मिली कुल रकम 8520/- रुपए एवं 52 ताश के पत्तों की एक गड्डी को विधिवत जप्त किया गया। थाना जनकगंज में जुआरियों के खिलाफ अप0क्र0 286/26 धारा 13 जुआ एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जप्त मशरूका:- कुल रकम 8520/- रुपये व एक ताश की गड्डी को जप्त किया।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी जनकगंज निरी. अतुल सिंह सोलंकी, प्रआर. राजेश भदौरिया, प्रआर. शिवओम सिंह, आर. भूपेन्द्र धाकड, आर. रणवीश शर्मा, आर. सुमित शर्मा, आर. रामकेश गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही है।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 81 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार तथा आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त, जिला ग्वालियर श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर जारी है। अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं एवं नियमित गश्त के आधार पर ग्वालियर शहर तथा डबरा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की गई।

आबकारी विभाग की टीम ने लाला का बाजार, गड़वे की गोठ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अंकुर जैन के आधिपत्य से 274 पाव देसी मदिरा प्लेन एवं 30 पाव देसी मदिरा मसाला जब्त की। जब्त मदिरा की मात्रा 54.72 बल्क लीटर पाई गई। मात्रा 50 बल्क लीटर से अधिक होने के कारण आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

इसी क्षेत्र में सत्य प्रकाश के आधिपत्य से 60 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त कर धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वहीं तारागंज एवं बड़गांव क्षेत्र में अवैध रूप से मदिरा पान करवाने के मामलों में धारा 36 के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। राजपूत ढाबा पर अवैध मदिरा विक्रय के मामले में धारा 34(1) के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा मोहनपुर पुल के नीचे से 10 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त कर धारा 34(1) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

डबरा क्षेत्र में भी आबकारी विभाग द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की गई। यहां से कुल 61 पाव देसी मदिरा प्लेन जब्त की गई तथा धारा 34(1) के तहत 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।इस प्रकार ग्वालियर एवं डबरा क्षेत्र में की गई कार्रवाई में कुल 81 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 47 हजार रुपए है। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत 1 प्रकरण, धारा 34(1) के तहत 6 प्रकरण तथा धारा 36 के तहत 4 प्रकरण, इस प्रकार कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। आबकारी विभाग ने बताया कि मदिरा दुकान के पास अवैध अहाते का संचालन करना तथा अवैध रूप से मदिरा पान करवाने की सुविधा उपलब्ध कराना आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध है। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजेश तिवारी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती मोनिका पाठक, श्री संतोष यादव, श्री दिनेश भार्गव, उप निरीक्षक हरेंद्र मावई, शिवा रघुवंशी, सतेंद्र मीणा, रवि सिसोदिया तथा मुख्य आरक्षक रवि बघेल सहित आरक्षक राघवेंद्र भदौरिया, राहुल त्यागी, देवेश शर्मा, संजय दोहरे, अमन राजावत, शिवकांत, निधि पंत, अंजली शर्मा एवं अन्य आबकारी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हाईकोर्ट के आदेश के 60 दिन बाद भी जमीन का कब्जा नहीं मिलने का दावा

पूर्व सैनिक बृजभूषण सिंह ने कलेक्ट्रेट मैहर में सौंपा स्मरण पत्र, रिट पिटिशन क्रमांक 14284/2026 के आदेश के पालन की मांग

मैहर, जीएनएस।

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेश के बावजूद भूमि का कब्जा वापस नहीं मिलने का दावा करते हुए ग्राम अटरा निवासी पूर्व सैनिक बृजभूषण सिंह पिता स्वर्गीय रामसिया सिंह ने कलेक्टर मैहर को आवेदन सौंपकर न्यायालयीन आदेश का पालन कराए जाने की मांग की है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि आवेदक की ओर से कमिश्नर रीवा,तहसील न्यायालय मैहर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मैहर तथा संबंधित न्यायालयों से पारित आदेशों के आधार पर उसकी आराजी से अतिक्रमणकारी को बेदखल कर रिक्त भूमि का कब्जा आवेदक को दिलाए जाने की कार्रवाई अपेक्षित थी। आवेदक के अनुसार, इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट पिटिशन क्रमांक 14284/2026 प्रस्तुत की गई थी।

आवेदन में कहा गया है कि उच्च न्यायालय जबलपुर ने 7 जुलाई 2026 को आदेश पारित करते हुए निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालयीन आदेश का पालन कराते हुए अतिक्रमणकारी को बेदखल कर रिक्त भूमि का कब्जा आवेदक को दिलाने के निर्देश दिए थे। आवेदक का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश की प्रति 13 जुलाई 2026 को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर आदेश के पालन के लिए आवेदन दिया गया था।

60 दिन की अवधि पूरी होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप

पूर्व सैनिक बृजभूषण सिंह ने अपने आवेदन में दावा किया है कि उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 60 दिवस की अवधि पूर्ण हो जाने के बाद भी उसे उसकी भूमि का कब्जा वापस नहीं दिलाया गया है। इसी को लेकर उसने कलेक्टर मैहर के समक्ष स्मरण पत्र प्रस्तुत करते हुए न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। आवेदक ने कलेक्टर से मांग की है कि उच्च न्यायालय जबलपुर के रिट पिटिशन क्रमांक 14284/2026 में पारित 7 जुलाई 2026 के आदेश का नियमानुसार पालन कराया जाए तथा संबंधित भूमि का कब्जा उसे दिलाने की कार्रवाई की जाए।

आवेदन पर दिनांक 18 सितंबर 2026 अंकित है। अब मामले में प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है, यह देखने वाली बात होगी।

मनीष सोनी हत्याकांड का मुआवजा अब तक नहीं मिला

पर्यटक गाइडों ने मुख्यमंत्री को तीन दिन में भुगतान का दिया अल्टीमेटम

जयपुर, जीएनएस।

टूरिस्ट गाइड्स संघर्ष समिति संयोजक, जयपुर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं लाइसेंस्ड टूरिस्ट गाइड रवि शंकर धाभाई ने बताया कि पर्यटक गाइड स्वर्गीय मनीष सोनी की हत्या के बाद आयोजित धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पीड़ित परिवार के लिए घोषित आर्थिक सहायता राशि का अब तक भुगतान नहीं होने का मामला एक बार फिर सामने आया है। राजस्थान के लाइसेंसधारी पर्यटक गाइडों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करते हुए तीन दिवस के भीतर घोषित मुआवजा राशि पीड़ित परिवार को दिलाने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी अथवा संविदा रोजगार, दूध डेयरी आवंटन तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं लाइसेंस्ड टूरिस्ट गाइड रवि शंकर धाभाई ने मुख्यमंत्री को भेजे विस्तृत पत्र में कहा कि मनीष सोनी की हत्या ने उनके परिवार के साथ-साथ प्रदेश के पर्यटक गाइड समुदाय में भी सुरक्षा और आजीविका को लेकर गंभीर चिंता पैदा की है। उन्होंने कहा कि घोषणा के बावजूद सहायता राशि नहीं मिलने से पीड़ित परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में बताया गया कि भाजपा सांसद सतीश पूनिया, सांसद राव राजेंद्र सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की थी। गाइड प्रतिनिधियों ने मांग की है कि घोषित सहायता राशि तत्काल जारी कर जिला प्रशासन से लिखित अनुपालन रिपोर्ट भी ली जाए।

आमेर सहित पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा की मांग

गाइड समुदाय ने आमेर सहित राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर लाइसेंसधारी गाइडों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई है। प्रतिनिधियों का कहना है कि कुछ स्थानों पर कथित रूप से दबंग जीप चालकों, असामाजिक तत्वों तथा अन्य लोगों द्वारा गाइडों के साथ विवाद, अभद्रता, धमकी और रोजगार में बाधा की शिकायतें सामने आती रही हैं। मांग की गई है कि पर्यटन स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए तथा पर्यटकों और गाइडों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई हो।

पूर्व सांसद श्री शेजवलकर ने 'सेवा-संकल्प अभियान' के तहत आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का शुभारंभ आदिवासी बस्तियों में पहुंचकर किया

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर ÷सेवा- संकल्प अभियान÷ के शुभारंभ दिवस के अवसर पर आयोजित ÷आशीर्वाद का दीया÷ कार्यक्रम के तहत पूर्व सांसद श्री विवेक शेजवलकर ने बारिश के बीच पुरानी छावनी अंतर्गत आने वाली आदिवासी बस्ती की महिलाओं और परिवारों के बीच जाकर दीप जलाकर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त आवासधारी आदिवासी परिवारों से रूबरू होकर ÷आशीर्वाद का दीया÷ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री विवेक शेजवलकर ने आदिवासी परिवारों के बच्चे

और बच्चियों से बातचीत कर उन्हें शिक्षा व अध्ययन के लिए प्रोत्साहित भी किया। पुरानी छावनी में आयोजित हुए ÷आशीर्वाद का दीया÷ कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलित किये गए। इस अवसर सर्वश्री अल्पेद्र यादव, उदय यादव, रिंकू मिश्रा, प्रधन सिंह पटेल, आदेश शर्मा, सोनेराम पाल, पंकज राजपूत, उपेंद्र यादव, हुकुमचंद्र शर्मा, महेंद्र कुशवाह व विकास उपाध्याय सहित आदिवासी बस्ती के रहवासी एवं बालक-बालिकाएं भी उपस्थित रहे। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रम में आगे भी सहभागी रहने का संकल्प लिया।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

यूपीआई पर संभावित शुल्क: आम आदमी पर कितना पड़ेगा असर?

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। कुछ ही सेकंड में पैसे का लेन-देन, चौबीसों घंटे उपलब्ध सुविधा और बिना नकदी साथ रखे भुगतान की सहूलियत ने इसे आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना दिया है। छोटी दुकानों, रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर बड़े कारोबार और ऑनलाइन खरीदारी तक, करोड़ों लोग प्रतिदिन यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। सामान्य उपभोक्ता के लिए इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि भुगतान करते समय सीधे कोई शुल्क नहीं देना पड़ता। ऐसे में कुछ यूपीआई लेन-देन पर संभावित शुल्क की चर्चा ने आम उपभोक्ताओं और छोटे कारोबारियों के बीच चिंता पैदा की है। हालांकि शुल्क की वास्तविक व्यवस्था, उसकी दर और किन लेन-देन पर इसे लागू किया जाएगा, यह तय होने के बाद ही इसके प्रभाव का आकलन संभव होगा। फिर भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि यदि डिजिटल भुगतान की मौजूदा लागत व्यवस्था में बदलाव होता है तो उसका असर आम आदमी की जेब और भुगतान की आदतों पर कितना पड़ेगा। आम उपभोक्ता के लिए एक छोटा शुल्क भी तब महत्वपूर्ण हो सकता है, जब दिन में कई बार डिजिटल भुगतान किया जाता हो। चाय, किराना, सब्जी, यात्रा या अन्य छोटी जरूरतों के लिए बार-बार किए जाने वाले भुगतान में मामूली शुल्क भी कुल खर्च को बढ़ा सकता है। खासकर कम राशि के लेन-देन में शुल्क का अनुपात अधिक महसूस हो सकता है। इससे कुछ लोग डिजिटल भुगतान के बजाय नकद भुगतान को प्राथमिकता देने लगें, ऐसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसका असर छोटे दुकानदारों और सेवा प्रदाताओं पर भी पड़ सकता है। यदि शुल्क का भार व्यापारियों पर आता है तो उनकी लेन-देन लागत बढ़ सकती है। वहीं यदि किसी रूप में इसका भार ग्राहकों तक पहुंचता है तो वस्तुओं और सेवाओं की प्रभावी लागत पर असर पड़ सकता है। हालांकि इसका वास्तविक प्रभाव पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि शुल्क कौन वहन करता है, कितना शुल्क लिया जाता है और किन प्रकार के लेन-देन को इसके दायरे में रखा जाता है। यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं है, बल्कि इसने देश में वित्तीय समावेशन को भी गति दी है। छोटे कारोबारियों और उन लोगों के लिए, जिनके पास बैंकिंग सुविधाओं तक सीमित पहुंच थी, डिजिटल भुगतान ने आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी आसान बनाई है। इसलिए किसी भी बदलाव का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिससे भुगतान प्रणाली टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए किफायती भी। असल चुनौती यूपीआई पर शुल्क लगाने या न लगाने से आगे की है। सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान के पूरे ढांचे की लागत को किस तरह संतुलित किया जाए, ताकि बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, कारोबारियों और उपभोक्ताओं–सभी के हितों का ध्यान रखा जा सके। छोटे मूल्य के लेन-देन को अनावश्यक लागत से बचाना विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा। यूपीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नई पहचान दी है। इसलिए भविष्य में यदि किसी प्रकार का शुल्क लागू किया जाता है तो उसमें पारदर्शिता, स्पष्ट नियम और उपभोक्ता हितों का ध्यान जरूरी होगा।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

एनईपी 2020- दृष्टि से हकीकत तक

नीति की सफलता कागज पर नहीं, कक्षा-कक्ष में होने वाले बदलाव से तय होगी

डॉ. विजय गर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए केवल एक नई नीति नहीं, बल्कि शिक्षा को देखने और समझने के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव का प्रयास है। लंबे समय से शिक्षा को मुख्य रूप से परीक्षा, अंक और प्रमाण-पत्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस सोच से आगे बढ़ते हुए ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना करती है, जिसमें विद्यार्थी केवल विषयों की जानकारी हासिल न करें, बल्कि उनमें समझ, कौशल, रचनात्मकता, तार्किक सोच, समस्या समाधान की क्षमता और मानवीय मूल्यों का भी विकास हो।

नीति का मूल उद्देश्य शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, बहुविषयक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। इसमें रटकर याद करने के बजाय समझकर सीखने पर जोर दिया गया है। बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को प्राथमिकता देने के साथ अनुभवात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक चिंतन, व्यावसायिक शिक्षा, कला, खेल, तकनीक और जीवन कौशल को भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने की परिकल्पना की गई है। यह दृष्टिकोण इस विचार पर आधारित है कि प्रत्येक विद्यार्थी की रुचि, क्षमता और सीखने की गति अलग हो सकती है और शिक्षा व्यवस्था को इन विविधताओं के लिए पर्याप्त स्थान देना चाहिए।

एनईपी 2020 की एक महत्वपूर्ण विशेषता विषयों के बीच बनी कठोर सीमाओं को कम करना है। विद्यार्थी विज्ञान के साथ कला, गणित के साथ संगीत या अन्य विषयों को अपनी रुचि और भविष्य की आवश्यकता के अनुसार चुन सकें, ऐसी लचीली व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किसी एक क्षेत्र की जानकारी देने के बजाय विभिन्न क्षेत्रों को समझने और उनके बीच संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाना है।

लेकिन किसी भी शिक्षा नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में लिखे उद्देश्यों से नहीं, बल्कि कक्षा-कक्ष में उनके क्रियान्वयन से तय होती है। एक नीति व्यापक दिशा दे सकती है, लेकिन उस दिशा को वास्तविक सीखने के अनुभव में बदलने की जिम्मेदारी शिक्षक, विद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों की होती है। यदि शिक्षक के पास पर्याप्त प्रशिक्षण, संसाधन और समय नहीं है तो कितनी भी अच्छी नीति हो, उसका प्रभाव सीमित रह सकता है।

यही कारण है कि एनईपी 2020 के क्रियान्वयन में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शक है। नई शिक्षा व्यवस्था में उससे ऐसी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने की अपेक्षा है, जिनमें विद्यार्थी प्रश्न पूछें, प्रयोग करें, चर्चा करें और स्वयं निष्कर्ष तक पहुंचने का प्रयास करें। इसके लिए शिक्षकों को निरंतर प्रशिक्षण, व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक स्वतंत्रता की आवश्यकता होगी।

शिक्षकों पर पहले से मौजूद प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी एक महत्वपूर्ण चुनौती हैं। यदि शिक्षक का अधिकांश समय गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यतीत होता है तो उससे रचनात्मक और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण की अपेक्षा करना कठिन होगा। शिक्षा सुधार का केंद्र शिक्षक है, इसलिए उसे अतिरिक्त बोझ देने के बजाय आवश्यक संसाधन, सहयोग और सम्मान उपलब्ध कराना जरूरी है।

एनईपी 2020 के सामने एक बड़ी चुनौती शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने की भी है। शहरों के बड़े और संसाधनयुक्त विद्यालयों तथा ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों के विद्यालयों के बीच सुविधाओं का अंतर अभी भी दिखाई देता है। कहीं आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल साधन और पर्याप्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध हैं, तो कहीं विद्यार्थियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। डिजिटल शिक्षा ने सीखने के नए अवसर जरूर खोले हैं, लेकिन तकनीक तक पहुंच की असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इंटरनेट, उपकरण और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सामग्री की उपलब्धता हर विद्यार्थी के लिए समान नहीं है। इसलिए तकनीक को शिक्षा का विकल्प नहीं, बल्कि प्रभावी शिक्षण का सहायक साधन बनाना होगा। डिजिटल संसाधनों के विस्तार के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक या भौगोलिक कारणों से कोई विद्यार्थी पीछे न रह जाए।

व्यावसायिक शिक्षा पर दिया गया जोर भी नीति का महत्वपूर्ण पक्ष है। विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक अकादमिक शिक्षा तक सीमित रखने के बजाय उन्हें विभिन्न कौशल और रोजगार से जुड़े अवसरों से परिचित कराने की आवश्यकता है। यदि व्यावसायिक शिक्षा को सम्मानजनक स्थान मिलता है तो विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विविध क्षेत्रों में आगे बढ़ सकेंगे। इसके लिए विद्यालयों और स्थानीय उद्योगों तथा कौशल संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक होगा।

मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव भी इस पूरी प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। यदि कक्षा में सीखने का तरीका बदल जाए, लेकिन परीक्षा का आधार केवल याद की गई जानकारी और लिखित उत्तर ही रहे, तो शिक्षक और विद्यार्थी अंततः परीक्षा की तैयारी पर ही केंद्रित रहेंगे। इसलिए मूल्यांकन में समझ, अनुप्रयोग, रचनात्मकता, तार्किक क्षमता और समस्या समाधान जैसे पक्षों को पर्याप्त महत्व देना होगा।

यह बदलाव आसान नहीं है। दशकों से चली आ रही परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था को बदलने में समय लगेगा। अभिभावकों की अपेक्षाएं, विद्यालयों की कार्यप्रणाली और प्रतियोगी परीक्षाओं की मौजूदा संरचना भी विद्यार्थियों और शिक्षकों के व्यवहार को प्रभावित करती है। इसलिए शिक्षा में बदलाव को केवल विद्यालय स्तर पर लागू करके अपेक्षित परिणाम प्राप्त करना कठिन होगा। व्यापक स्तर पर सोच और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होगी।

बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर दिया गया जोर भी विशेष महत्व रखता है। यदि प्रारंभिक कक्षाओं में ही बच्चे पढ़ने, लिखने और गणित की मूलभूत अवधारणाओं को ठीक से नहीं समझ पाते, तो आगे की शिक्षा में उनकी कठिनाइयां बढ़ती जाती हैं। इसलिए प्राथमिक स्तर पर मजबूत आधार तैयार करना पूरी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक है। एनईपी 2020 का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू शिक्षा को जीवन से जोड़ना है। विद्यार्थी जो सीखते हैं, उसका संबंध उनके आसपास की दुनिया और वास्तविक समस्याओं से होना चाहिए। स्थानीय परिवेश, संस्कृति, पर्यावरण, सामाजिक परिस्थितियों और दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया अधिक अर्थपूर्ण बनाई जा सकती है। इससे शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम न रहकर जीवन को समझने और बेहतर बनाने का साधन बन सकती है।

इस पूरी प्रक्रिया में अभिभावकों और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि परिवार केवल अंकों और परीक्षा परिणामों को सफलता का मापदंड मानता रहेगा, तो विद्यार्थियों पर परीक्षा-केंद्रित दबाव बना रहेगा। बच्चों की जिज्ञासा, रचनात्मकता, कौशल और सीखने की प्रक्रिया को भी उतना ही महत्व देना होगा।

सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी भी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। पर्याप्त वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षक, बेहतर बुनियादी ढांचा, शिक्षण सामग्री, नियमित निगरानी और परिणामों का मूल्यांकन आवश्यक होगा। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्रों की आवश्यकताओं को समझते हुए स्थानीय स्तर पर लचीलापन भी रखना होगा।

एनईपी 2020 का लक्ष्य बड़ा है और इस लक्ष्य को हासिल करने का रास्ता लंबा है। शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन किसी एक आदेश या कार्यक्रम से नहीं आता। इसके लिए निरंतर प्रयास, प्रयोग, सुधार और परिणामों की समीक्षा आवश्यक होती है। जहां कोई व्यवस्था अपेक्षित परिणाम नहीं दे रही हो, वहां उसमें बदलाव करने की क्षमता भी शिक्षा सुधार का हिस्सा होनी चाहिए।

अंततः एनईपी 2020 की सफलता का वास्तविक पैमाना यह नहीं होगा कि कितने दिशा-निर्देश जारी हुए, कितने कार्यक्रम शुरू हुए या कितने दस्तावेज तैयार किए गए। असली सवाल यह होगा कि क्या बच्चे पहले की तुलना में बेहतर समझ के साथ सीख रहे हैं? क्या उनमें सवाल पूछने और समस्याओं को हल करने की क्षमता बढ़ रही है? क्या उन्हें अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल रहे हैं? क्या ग्रामीण और वंचित वर्गों के विद्यार्थियों तक भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंच रही है?

शब्दों की अंतिम यात्रा

डॉ. विजय गर्ग

शब्द केवल बोलने और लिखने का माध्यम नहीं होते। वे मनुष्य की स्मृतियों, भावनाओं, अनुभवों, संस्कृति और पहचान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने वाले जीवंत माध्यम हैं। किसी भाषा का प्रत्येक शब्द अपने भीतर एक कहानी समेटे रहता है। उसके पीछे किसी समय का जीवन, कोई परंपरा, कोई सामाजिक व्यवहार, कोई लोकविश्वास या किसी समुदाय का अनुभव छिपा हो सकता है। इसलिए जब कोई शब्द धीरे-धीरे हमारी बातचीत से बाहर होता है, तो केवल भाषा का एक हिस्सा कम नहीं होता, बल्कि उसके साथ जुड़ी एक छोटी-सी दुनिया भी धुंधली होने लगती है।

भाषा लगातार बदलती रहती है। समय के साथ नए शब्द आते हैं, कुछ पुराने शब्दों के अर्थ बदलते हैं और कुछ शब्द धीरे-धीरे प्रयोग से बाहर हो जाते हैं। यह भाषाई विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन आज जिस तेजी से जीवनशैली और संवाद के माध्यम बदल रहे हैं, उसने इस परिवर्तन की गति को कई गुना बढ़ा दिया है।

तकनीक, इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों ने संवाद को पहले से कहीं अधिक तेज और सुविधाजनक बना दिया है। संदेशों की दुनिया में कम शब्दों में अधिक बात कहने की प्रवृत्ति बढ़ी है। संक्षिप्त शब्दों, मिश्रित भाषा और तत्काल संवाद ने हमारी अभिव्यक्ति का स्वरूप बदल दिया है। इसके अपने लाभ हैं, लेकिन इसके साथ हमारी बोलियों और पारंपरिक शब्दावली का एक हिस्सा चुपचाप पीछे छूटता जा रहा है।

कभी घर-परिवार में इस्तेमाल होने वाले कई शब्द अब केवल बुजुर्गों की बातचीत में सुनाई देते हैं। गांवों और कस्बों में प्रचलित ऐसे अनेक शब्द हैं, जिनका संबंध खेती, मौसम, पशुपालन, घरेलू जीवन, रिश्तों, खान-पान, लोकगीतों और स्थानीय परंपराओं से है। नई पीढ़ी के लिए इनमें से कई शब्द अपरिचित होते जा रहे हैं। कई बार बच्चे अपने ही क्षेत्र में बोले जाने वाले किसी पुराने शब्द का अर्थ पूछते हैं और जवाब में उन्हें शब्द के बजाय केवल यह सुनने को मिलता है–÷अब तो कोई बोलता ही नहीं।÷

किसी शब्द का अंतिम बार इस्तेमाल कब हुआ, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं बनता। वह किसी शब्दकोश में मौजूद रह सकता है, किसी पुराने दस्तावेज में दर्ज हो सकता है या किसी लोकगीत में सुरक्षित रह सकता है, लेकिन यदि उसे बोलने और समझने वाले लोग कम होते गए तो वह व्यवहार की भाषा से बाहर हो जाता है। धीरे-धीरे वह शब्द स्मृति का हिस्सा बन जाता है और अंततः नई पीढ़ी के लिए उसका अर्थ भी अनजान हो सकता है। किसी शब्द का खो जाना इसलिए केवल भाषाई घटना नहीं है।

मोदी के जन्म दिवस पर पालिका अध्यक्ष पूर्व विधायकों एवं विधायक प्रतिनिधि मरीज को फल वितरण कर जश्न मनाया

जालौन, जीएनएस।

गुरुवार के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्म दिवस पर भाजपा के लोगों ने अलग-अलग समय में सीएचसी कालपी में पहुंचकर मौजूद चिकित्सकों की देख रेख में मरीजों को फल वितरण कर स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की एवं नरेंद्र मोदी भाजपा पार्टी जिंदाबाद गगन भेदी नारे लगाकर नगर को चहुओर रोमांचक सुशोभित किया प्रथम टीम नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव अशोक बाजपेई रविंद्र कोरी अमरदीप पांडे पूर्व महामंत्री सतेंद्र सिंह चौहान सभासद प्रतिनिधि राकेश यादव मनोनीत सभासद कन्हैया मिश्रा

गंगाराम प्रजापति राजेंद्र पोरवाल आशीष यादव चेयरमैन प्रतिनिधि रविंद्र यादव आदि लोगों ने चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख की मौजूदगी में मरीजों को फल वितरण कर मोदी जी जन्म दिवस बड़े धूमधाम से मनाया इसी क्रम में पूर्व विधायक डॉक्टर अरुण मेहरोत्रा पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन विधायक प्रतिनिधि आशीष उर्फ़ आशु चतुर्वेदी भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी अतुल गुप्ता उर्फ सिंटू देवेंद्र गुप्ता अभिषेक गुप्ता उर्फ पिंटू रितु सिंह उपाध्यक्ष संजय सविता हर्षित खन्ना भारत सिंह यादव राजेंद्र साहू देवेंद्र साहू श्री कृष्णा गौतम छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी अवनीश बाजपेई आदि भाजपा लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में में पहुंचकर बैड में पड़े मरीज को स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की वहीं पर फल वितरण कर मोदी जी जन्म दिवस बड़े हर्षोल्लास के तहत मनाया।

सेवा पखवाड़ा 2026 के तहत भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष पर भारत के सबसे पुराने शनि मंदिर मुरैना पर शनि मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष महंत शिवराम दास त्यागी के नेतृत्व में 21000 दीपक जलाकर प्रधानमंत्री जी के जन्मोत्सव पर उनकी आयु की लंबी कामना और भारत को परम बैभब पर ले जाने के लिए भगवान से कामना की ????

कोतवाली में निर्धारित तिथि पर एडीजीपी के निरीक्षण न आने पर प्रभारी निरीक्षक सहित सभी स्टाफ ने ली राहत की सास

जालौन, जीएनएस।

माह सितंबर प्रथम दिन कोतवाली कालपी में निर्धारित तिथि लगभग 15-16 सितंबर उप पुलिस महानिदेशक द्वारा निरीक्षण करना तय हुआ था पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह का फरमान मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने कोतवाली को तथा अभिलेखों को सजाने में लिए पूरी तरह कमर कस ली थी प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर स्वयं में एवं समस्त स्टाफ ने पूरी लगन के तहत 1 सितंबर से लेकर सभी अभिलेखों की तैयारी तथा कोतवाली कालपी एवं प्रांगण को पूरी तरह से बड़ी मशक्कत के बाद सभी कर्मचारी पसीना बहाते हुए लगकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ी

थी अब कोई भी निरीक्षण कर ले तो कोतवाली निरीक्षण दौरान दुल्हन की तरह सजी हुई नजर आएगी सभी स्टाफ ने लगकर अभिलेखों सहित सारी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त कर सुशोभित होती हुई नजर आई इतना भी नहीं लगभग 10 साल से कोतवाली कमरों जमे कूड़े करकट सफाई कराकर कूड़ा बाहर फिकवाया गया वही 16 सितंबर कानपुर जौन उप पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ का अमला जनपद जालौन मुख्यालय पुलिस कार्यालय उरई पहुंच कर निरीक्षण किया तथा समस्त थाना प्रभारियो की बैठक लेकर दिशा निर्देश दिए इसके उपरांत बुधवार की रात अमला जोन कानपुर के लिए कूच कर गया वही बही उनके निरीक्षण पर कोतवाली कालपी न आने पर समस्त स्टाफ ने राहत की सांस ली इतना नहीं कोतवाली कालपी को दुल्हन की तरह सजाने वालों में अतिरिक्त कानून इंस्पेक्टर अवनीश कुमार वरिष्ठ उप निरीक्षक उदय प्रताप सिंह प्रधान दीवान लक्ष्मीकांत त्रिपाठी कंप्यूटर ऑपरेटर शैलेंद्र सिंह विनीता महिला सिपाही सरिता रोशनी अंकित वर्मा दीपेंद्र मिश्रा प्रमलेद्र सिंह वीरेंद्र सिंह लेखाकार मुंशी राम सिंह आशीष यादव होमगार्ड प्रशांत आदि पुलिस कर्मचारियों ने बड़ी मेहनत कर लगभग 15 दिन में कोतवाली को बेहतर सजाने में बहुत बड़ी सफलता हासिल की।

गौशाला तथा सचिवालय निरीक्षण दौरान गंदगी पाए जाने पर संचालक को लगाई फटकार

जालौन, जीएनएस।

उपजिला अधिकारी ने एडियो पंचायत एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के साथ गौशाला एवं सचिवालय औचक निरीक्षण कर गंदगी पाए जाने पर नाराज़गी जताकर सभी व्यवस्थाएं सही करने के निर्देश दिए।

गुरुवार को शाम उप जिलाधिकारी विनय कुमार सिंह एडियो कोऑपरेटिव द्वारका प्रसाद गुप्ता तथा पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ ग्राम पंचायत करमचंदपुर स्थित गौशाला में पहुंचकर निरीक्षण समय गौशाला में भूसा एवं हरा चारा बंद गौवंश को खिलाने पर स्वयं में खुश हुए इसी क्रम में गांव में स्थित शौचालय में जैसे ही पहुंचे तो गंदगी तथा बाउंड्री न होने पर जमकर नाराज़गी जताई वहीं पर मौजूद जिम्मेदार को सख्त निर्देश देकर बाउंड्री बनवाने तथा साफ सफाई बेहतर करवाने के कड़े निर्देश दिए।

फोटो उप जिलाधिकारी गौशाला का निरीक्षण करते हुए।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता का लिया अनोखा संकल्प

वाराणसी, जीएनएस।

प्रबोधिनी फाउण्डेशन के तत्वावधान में वेदान्ता पब्लिक स्कूल में जेन अल्फा (बच्चो) को आयुर्वेदिक पौधा प्रदान कर उससे पर्यावरण एवं स्वास्थ्य लाभ के प्रति जागरूक किया गया 7 परिवार,समाज एवं देश के भविष्य बच्चो को आयुर्वेदिक पौधो के औषधीय गुण,उसके संरक्षण,उपयोग एवं उपभोग के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये प्रबोधिनी फाउण्डेशन की संयोजक श्रेया राय ने संकल्प दिलाते हुये बताया की कुल पांच चरण में अभियान चलाकर आराजीलाईन विकास खण्ड के 16 न्याय पंचायत के प्रत्येक गाँव के प्रत्येक परिवार को निशुल्क पौधा प्रदान कर पौधा संरक्षण का संकल्प दिलाकर तीन माह का बृहद पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा 7 प्रथम चरण में वेदान्ता पब्लिक

स्कूल के हर बच्चे,हर अध्यापक के घर में अमरूद,पारिजात,तुलसी,अलवेरा,मीठी नीम का पौधा प्रदान कर आज अनोखा पहल का शुभारंभ हुआ 7

आराजीलाईन विकास खण्ड के गाँव में लोगों की सहमति लेकर जमीन की उपलब्धता के आधार पर नीम,पीपल,बरगद,पाकड़, बेल,आंवला,अर्जुन,आम,जामुन,महुआ इत्यादि आयुर्वेदिक पौधे भी संरक्षण एवं दैनिक जीवन में उपयोग के प्रति जागरूक कर आयुर्वेदिक पौधो के औषधीय उपयोग का संकल्प दिलवाकर धरती का सबसे पुनीत अभियान चलाया जायेगा । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबोधिनी फाउण्डेशन के महासचिव विनय शंकर राय ÷मुन्ना÷, संचालन प्रबोधिनी फाउण्डेशन की संयोजक श्रेया राय,धन्यवाद ज्ञापन सुजीत सिंह ने दिया एवं प्रमुख रूप से कृपा शंकर,धृति राय,शशिकांत मिश्रा,संतोष यादव आदि।

मुंबई के गोरेगांव में समाज के लोगो ने विश्वकर्मा समाज के महानगर विष्णु शर्मा का किया भव्य स्वागत

वाराणसी, जीएनएस।

मुंबई/गोरेगांव,बेस्ट मे विश्वकर्मा पूजा के पावन अवसर पर महाराष्ट्र के गोरेगांव वेस्ट में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की 7 इस अवसर पर वाराणसी से मुबंई पहुंचे समाजवादी पार्टी के नेता एवं विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' गोरेगांव के समाज के लोगो पुष्प गुच्छ भेटकर स्वागत किया 7 सपा नेता ने समाज के लोगों के साथ विधि- विधान से पूजा अर्चना की और भगवान विश्वकर्मा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की 7

पूजा अर्चना के बाद समाज के लोगों को संबोधित करते हुए विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा से हमारी पहचान है अपनी पहचान की जीवित रखने के लिए हम सभी को एकजुट होना पड़ेगा तभी सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा 7 उन्होने कहा कि शिल्प देवता भगवान विश्वकर्मा केवल किसी एक वर्ग या पेशे के आराध्य नहीं,बल्कि भारतीय परंपरा में सृजन,निर्माण, शिल्प,तकनीक और कौशल के प्रतीक के रूप में पूजनींय हैं 7 उन्होंने समाज के लोगों से अपनी गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को समझने तथा आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया 7

उन्होंने कहा कि समाज की ताकत उसकी एकता में है देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले विश्वकर्मा समाज के लोगों को आपसी सहयोग,शिक्षा,कौशल और सामाजिक एकजुटता के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए 7 सपा नेता विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने कहा कि भारतीय धार्मिक और पौराणिक परंपराओं में भगवान विश्वकर्मा को देवताओं के महान शिल्पकार और वास्तुकार के रूप में वर्णित किया गया है 7 पौराणिक कथाओं में उन्हें दिव्य अस्त्र-शस्त्र,भवनों,नगरों और विमानों के निर्माण से जोड़ा गया है 7 उन्होंने कहा ÷जिस समाज की पहचान निर्माण और सृजन से जुड़ी रही हो उस समाज को अपनी मेहनत, हुनर और ज्ञान पर गर्व होना चाहिए 7 हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को यह बताना होगा कि हाथों का हुनर केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की निर्माण शक्ति भी है 7 उन्होने कहा कि यही कारण है कि विश्वकर्मा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि श्रम,कौशल,तकनीक और निर्माण के सम्मान का भी प्रतीक मानी जाती है। विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने कहा कि आज आवश्यकता है कि समाज के लोग अपनी सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हुए शिक्षा,रोजगार, तकनीकी कौशल और व्यापार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करें । उन्होंने कहा ÷भगवान विश्वकर्मा ने हमें निर्माण का संदेश दिया है हमें भी अपने समाज का निर्माण शिक्षा,एकता,संस्कार और संगठन की मजबूत नींव पर करना होगा। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर परिवार,समाज और देश की सुख-समृद्धि की कामना की 7 इस दौरान समाज के लोगों ने एक-दूसरे को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं दीं।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

डॉ. मोहन यादव

राजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई। लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाये।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है।

आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री जी ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया।कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अनेक अभियान चलाए गए। यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी हो या संकटग्रस्त परिस्थितियों में अन्य भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाना इन प्रयासों ने यह संदेश दिया कि भारत अपने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। भारत की मानवीय संवेदनशीलता का परिचय उस समय भी मिला, जब कठिन अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान के विद्यार्थियों को भी सुरक्षित उनके देश वापस पहुँचाने के प्रयास किए गए। यह भारतीय संस्कृति की उस भावना का परिचायक है, जिसमें मानवता को सर्वोपरि माना गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है।ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा। भारत ने यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई उसके लिए केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान और नागरिकों की सुरक्षा का प्रश्न भी है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आतंकवाद को लेकर भारत की नीति में जो दृढ़ता आई है, उसने अंतराष्ट्रीय समुदाय का भी ध्यान आकर्षित किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने और आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में भारत को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स (ब्क्रढ्ढष्टस्) सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यवहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण (त्रद्यश्ड्डड्ढद्य स्श्वह्वह्लद्ध) की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और आतंकवाद के प्रति कड़े रुख ने वैश्विक स्तर पर देश की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाया है। इस पूरे परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका अत्यंत निर्णायक और प्रभावी रही है। सम्मेलनों के दौरान विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के साथ की गई उनकी द्विपक्षीय बैठकों ने न केवल जटिल क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाने में मदद की, बल्कि भारत के आर्थिक और व्यापारिक हितों को भी नई दिशा दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है। जनकल्याण की योजनाओं में जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों परिवारों तक पहुँचा है। गरीबों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की उपलब्धता जैसे विषयों को जनकल्याण की मुख्यधारा में लाया गया।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।प्रधानमंत्री जी के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है। प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही श्री मोदी जी ने स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया और देशवासियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया। इस अभियान ने देश की सोच में परिवर्तन लाने का काम किया। गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छता जनआंदोलन बनी। मध्यप्रदेश ने भी इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इंदौर का लगातार स्वच्छ शहरों में अग्रणी रहना इस जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने उत्पादन, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़ती क्षमता इसका प्रमाण है। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की गई हैं। मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री जी ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है।'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया है। 'विरासत के साथ विकास' की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है। योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने स्वस्थ जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। यशस्वी मोदी जी के प्रयासों से अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया।

'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की। देश के दूरदराज के गांवों, छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से जुड़े अनेक लोगों के कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिला।यह संवाद प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें भारत का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से संभव माना गया है।

यशस्वी नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता में रहने की अवधि नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर शुरू हुई यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री से होते हुए देश के प्रधानमंत्री तक पहुँची। उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और यही भावना उनके प्रत्येक निर्णय में दिखाई देती है। उन्होंने भारत को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य सामने रखा है।उनके जन्मदिवस पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगे।

कहा गया है......

÷परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है।
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।÷

यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था।

लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं

कहीं कक्षाएं व्यवस्थित मिलीं, तो कहीं एक भी बच्चा नहीं मिला, मजरा दीगोदी में शिक्षक दो दिन बिना सूचना अनुपस्थित

एफएलएन मेंटरिंग के निरीक्षण में एपीसी के समक्ष स्कूलों की खुली तस्वीर

शिवपुरी जीएनएस
राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार सितंबर 2026 में एफएलएन मेंटरिंग के लिए आवंटित विद्यालयों के निरीक्षण का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में सहायक जिला परियोजना समन्वयक उमेश करारे ने कोलारस क्षेत्र सहित विभिन्न शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जहां कुछ विद्यालयों में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं दो विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति और शैक्षणिक व्यवस्थाओं को लेकर कई कमियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय कुदोनिया और शासकीय प्राथमिक विद्यालय कार्या में छात्र-शिक्षक उपस्थिति के साथ कक्षाएं विधिवत संचालित मिलीं। विद्यालयों में स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों का संधारण तथा परिसर में साफ-सफाई भी पाई गई। शासकीय प्राथमिक विद्यालय मजरा दीगोदी, कोलारस के निरीक्षण में प्राथमिक शिक्षक श्याम सिंह वर्मा 10 और 11 सितंबर 2026 को बिना सूचना एवं आवेदन के अनुपस्थित पाए गए। विद्यालय में कुल 42

विद्यार्थी दर्ज हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान एक भी विद्यार्थी उपस्थित नहीं मिला। निरीक्षण में शिक्षक डायरी, एसएमसी पंजी और पालक संपर्क पंजी भी उपलब्ध नहीं पाए गए। इसके अलावा मध्यान्ह भोजन का वितरण भी नहीं होना पाया गया।

भ्रमण प्रतिवेदन के आधार पर जारी किए कारण बताओ नोटिस : निरीक्षण के दौरान सामने आई स्थितियों को लेकर बीएसी उमेश करारे द्वारा भ्रमण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन के आधार पर जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी दफेदार सिंह सिकरवार द्वारा संबंधित शिक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

पूर्व निरीक्षण में तीन शिक्षकों को भी नोटिस : बीएसी उमेश करारे ने पूर्व में किए गए भ्रमण पर पूछने से बताया कि शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सिरसौद, करैरा के माध्यमिक शिक्षक आदर्श त्रिपाठी, शासकीय प्राथमिक विद्यालय नया जैतपुर, नरवर के प्राथमिक शिक्षक रामसेवक कोली तथा शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय मोटा घसारई, करैरा की शिक्षिका रेखा सक्सेना बिना अवकाश एवं सूचना के अनुपस्थित पाए गए थे। इनके विरुद्ध भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर आबकारी विभाग ने की सघन चेकिंग

पिछोर में आबकारी विभाग एवं पुलिस की संयुक्त बड़ी कार्यवाही, प्रकरण दर्ज

शिवपुरी जीएनएस
अवैध शराब कारोबार पर लगाम लगाने के लिए जिला आबकारी विभाग के द्वारा वृत्त पिछोर में बड़ी कार्यवाही की गई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई।

वृत्त पिछोर प्रभारी राहुल गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने पिछोर क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान सिलपुरा कंजर ढेरे के पास से 88 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 4500 किग्रा लहान जब्त की गई। इसी अभियान में आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2), 49(ए) के तहत 01 आपराधिक

प्रकरण दर्ज किया गया आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आम जनता से मिल रही शिकायतों के आधार पर संवेदनशील क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोड़े ने कहा कि भविष्य में भी नशीले पदार्थों और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि जिले में अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सके।

देहात थाना पुलिस ने रायश्री रोड पुलिया के पास दबिश देकर पकड़ा

अवैध कट्टा और दो कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शिवपुरी जीएनएस
देहात थाना पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब सात हजार रुपए कीमत का 315 बोर का देशी कट्टा और दो जिंदा राउंड बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि रायश्री रोड पुलिया के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर मौजूद है। सूचना पर देहात थाना पुलिस की टीम ने तत्काल दबिश देकर आरोपी पंजाब सिंह यादव पुत्र स्व. मित्तलाल यादव (22), निवासी ग्राम देवरी,

थाना चिलवानी, जिला श्योपुर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 334/26 के तहत धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरडी प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में की गई। इसमें थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव सहित सउनि सुमित सेंगर, प्रधान आरक्षक अरुणकांत शर्मा, देवेंद्र सेन तथा आरक्षक गजेंद्र जाटव और अरुण मेवाफरोस शामिल रहे।

भगवान विश्वकर्मा जयंती पर निकला चल समारोह, भाजपा नेता मुद्गल ने किया स्वागत

शिवपुरी जीएनएस
निर्माण एवं सृजन के अधिष्ठाता देव शिल्पी भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पोहरी विधानसभा क्षेत्र के नगर बैराड़ में झा/ओझा समाज द्वारा भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान श्री विश्वकर्मा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर कृषि विभाग का औचक निरीक्षण, अनियमितता पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी

शिवपुरी जीएनएस
कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा शिवपुरी में कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण की कार्रवाई की गई। उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य एवं सहायक संचालक कृषि सहित विभागीय टीम द्वारा गुरुवार को पोहरी रोड शिवपुरी स्थित कृषि आदान विक्रेताओं की दुकानों की जाँच की गई। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित फर्म मैसर्स खेती किसानी पोहरी बस स्टेण्ड को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितता और बंद मिली दुकान : विभागीय अधिकारियों की टीम ने बस स्टैंड के पास पोहरी रोड स्थित मैसर्स खेती किसानी के प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। जाँच के दौरान दुकान में अनियमितता पाए जाने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त, टीम जब पोहरी रोड स्थित किसान बाजार एग्री क्लीनिक के निरीक्षण हेतु पहुँची, तो प्रतिष्ठान संचालक दुकान बंद करके मौके से चला गया। उप संचालक कृषि मुनेश कुमार शाक्य ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की सुरक्षा करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि जिले में नकली या अमानक कृषि आदानों की बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं नियम 1971 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उप संचालक कृषि ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाओं की खरीदी करें।

माता जानकी त्याग, तपस्या और मर्यादा की प्रतिमूर्ति : बालक देवाचार्य जी महाराज

शिवपुरी जीएनएस
राधाष्टमी के पावन अवसर पर तुलसी आश्रम बड़े हनुमान मंदिर में जानकी कथा का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया जा रहा है। कथा का आयोजन महामण्डलेश्वर पुरुषोत्तम दास जी महाराज के पावन सानिध्य में हो रहा है। कथा का वाचन श्री पातालपुरी पीठाधीश्वर श्री बालक देवाचार्य जी महाराज द्वारा किया जा रहा है। कथा के यजमान श्रीमती अंजलि एवं देवेंद्र शर्मा (लल्लू) भैया परिवार हैं। आयोजन में परिवार के परिजन संत कुमार शर्मा, मुकेश शर्मा, अनिल शर्मा (अत्री), देवांश शर्मा सहित अन्य श्रद्धालुजन भी उपस्थित होकर कथा का लाभ ले रहे हैं। कथा का समापन 19 सितंबर को होगा।

माता जानकी के त्याग और मर्यादा का किया वर्णन

कथा के दौरान व्यासपीठ से कथावाचक श्री बालक देवाचार्य जी महाराज ने माता जानकी के त्याग, तपस्या और मर्यादा का वर्णन करते हुए कहा कि जगत जननी जानकी मैया ने वनवास के दौरान अनेक कष्ट सहे और जंगल-जंगल भटकते हुए भी मर्यादा का त्याग नहीं किया। यही कारण है कि आज भगवान श्रीराम के साथ माता सीता की पूजा पूरे श्रद्धाभाव से की जाती है और लोग राम-सीता के स्थान पर 'सीताराम' का उच्चारण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा और आदर्श का मार्ग दिखाता है। परिवार और समाज में मर्यादा का विशेष महत्व है।

राधाष्टमी पर होगा विशाल भंडारा : जानकी कथा के समापन के अवसर पर राधाष्टमी उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। तुलसी आश्रम श्री बड़े हनुमान मन्दिर आयोजन समिति एवं कथा यजमान परिवार की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार राधाष्टमी के भव्य आयोजन एवं विशाल भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने का आह्वान किया गया है।

राजीव से राहुल तक- युवाओं पर विश्वास की विरासत

राहुल गांधी के छात्रों से संवाद में कमलनाथ को सुनाई देती है राजीव गांधी के सपनों की गूंज

भारत की राजनीति में युवाओं को केवल भविष्य कहने की परंपरा पुरानी है, लेकिन उन्हें वर्तमान में अधिकार, अवसर और निर्णय की ताकत देने का साहस कुछ ही नेताओं ने दिखाया। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ जब स्व. राजीव गांधी के दौर को याद करते हैं तो उनकी स्मृतियों में एक ऐसे प्रधानमंत्री की तस्वीर उभरती है, जिसने समय से बहुत पहले युवा भारत की क्षमता और आने वाली तकनीकी दुनिया को पहचान लिया था। आज राहुल गांधी की 'छात्रों की गूंज' पहल में कमलनाथ उसी सोच और विरासत का नया स्वरूप देखते हैं। कमलनाथ कहते हैं कि राजीव गांधी को उन्होंने बेहद करीब से देखा और उनके साथ काफी काम किया। राजीव जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे केवल उस समय के भारत के बारे में नहीं सोचते थे, बल्कि उस भारत की कल्पना करते थे जो आने वाले 20-30 वर्षों में बनने वाला था। उनकी इस कल्पना के केंद्र में भारत का युवा था। यही कारण था कि राजीव गांधी ने युवाओं को केवल भाषणों में महत्व नहीं दिया, बल्कि उन्हें अधिकार और अवसर देने वाले ऐतिहासिक फैसले किए। उनके कार्यकाल में मतदान की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई। इसके पीछे सोच साफ थी- यदि 18 वर्ष का युवा देश के भविष्य की जिम्मेदारी उठा सकता है तो उसे देश की सरकार चुनने में भी भागीदारी मिलनी चाहिए। यह फैसला केवल मतदान की उम्र घटाने का नहीं था, बल्कि करोड़ों युवाओं पर विश्वास व्यक्त करने का निर्णय था।

इसी सोच का दूसरा बड़ा अध्याय था भारत में कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के विस्तार को गति देना। उस समय कंप्यूटर को लेकर आशंकाएं थीं, लेकिन राजीव गांधी आने वाले समय को देख रहे थे। उन्होंने तकनीक को रोजगार का विरोधी नहीं, बल्कि युवाओं के लिए नए अवसरों का माध्यम माना। बाद के दशकों में भारत जिस तरह सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर और दूरसंचार के क्षेत्र में दुनिया की प्रमुख शक्तियों में शामिल हुआ, उसकी बुनियाद तैयार करने में उस दौर की नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज करीब चार

दशक बाद युवा भारत के सामने चुनौतियों का स्वरूप बदल गया है। तकनीक के अवसर बढ़े हैं तो प्रतिस्पर्धा भी कई गुना बढ़ी है। शिक्षा महंगी हुई है, प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सवाल उठते हैं, रोजगार की चिंता है और भविष्य को लेकर असुरक्षा भी है। ऐसे समय में कमलनाथ राहुल गांधी की उस पहल को महत्वपूर्ण मानते हैं जिसमें नेता मंच से युवाओं को केवल सुनाता नहीं, बल्कि मंच युवाओं को सौंपकर स्वयं उनकी बात सुनता है।

इस पहल का नाम है- 'छात्रों की गूंज'

पुणे में आयोजित 'छात्रों की गूंज' में राहुल गांधी ने विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं से सीधे संवाद किया। शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, करियर, सुरक्षा, सामाजिक दबाव और आदिवासी विद्यार्थियों की समस्याओं तक अनेक मुद्दे युवाओं ने उनके सामने स्वयं रखे। अब 19 सितंबर को यही संवाद इंदौर में होने जा रहा है। 'छात्रों की गूंज' की विशेषता यही है कि यह परंपरागत राजनीतिक सभा से अलग संवाद का मंच बनाने का प्रयास है। यहां सवाल नेता तय नहीं करता, युवा अपनी समस्या स्वयं बताता है। वह बता सकता है कि उसकी पढ़ाई में क्या बाधा है, प्रतियोगी परीक्षाओं में उसे किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, रोजगार को लेकर उसकी चिंता क्या है और आखिर कौन-सी परिस्थितियां उसे अपने सपनों तक पहुंचने से रोक रही हैं। ऐसे संवाद का महत्व केवल किसी समस्या को सुन लेने तक सीमित नहीं है। जब देश के अलग-अलग हिस्सों के विद्यार्थी अपनी समस्याएं सीधे राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने रखते हैं तो स्थानीय दिखने वाली अनेक समस्याएं राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन सकती हैं। नीति बनाने वालों को आंकड़ों के पीछे छिपी वास्तविक जिंदगी सुनाई देती है और युवाओं को यह भरोसा मिलता है कि लोकतंत्र में उनकी भूमिका केवल मतदान करने तक सीमित नहीं है- उनकी बात, उनका अनुभव और उनके सुझाव भी मायने रखते हैं।

कमलनाथ को राहुल गांधी के इस प्रयास में राजीव गांधी की राजनीतिक विरासत की निरंतरता दिखाई देती है

राजीव गांधी ने 18 वर्ष के युवा से कहा था- देश की सरकार चुनने में तुम्हारी आवाज महत्वपूर्ण है

आज राहुल गांधी 'छात्रों की गूंज' के माध्यम से नई पीढ़ी से मानो कह रहे हैं। देश का भविष्य तय करने में तुम्हारी समस्या, तुम्हारा सवाल और तुम्हारा सुझाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दोनों समय अलग हैं, चुनौतियां अलग हैं और संवाद के माध्यम भी बदल चुके हैं, लेकिन मूल भावना वही है- युवा पर विश्वास।

कांग्रेस ने युवाओं को जोड़ा और आगे बढ़ाया

कांग्रेस के इतिहास को देखें तो युवा शक्ति पर यह भरोसा नया नहीं है। राजीव गांधी ने युवाओं को लोकतांत्रिक अधिकार और आधुनिक तकनीक से जोड़ा। बाद के वर्षों में कांग्रेस की सरकारों ने शिक्षा, कौशल और रोजगार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिशा को आगे बढ़ाया। कमलनाथ की नजर में यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संदेश है% नई पीढ़ी को निर्देश देने से पहले उसे सुनना होगा। भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में है।

इस युवा शक्ति को यदि अच्छी शिक्षा, आधुनिक कौशल, सुरक्षित वातावरण, रोजगार के पर्याप्त अवसर और अपनी बात रखने का मंच मिले तो यही पीढ़ी आने वाले दशकों में भारत की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। राजीव गांधी ने जिस युवा भारत पर चार दशक पहले भरोसा किया था, राहुल गांधी आज उसी विश्वास को नई पीढ़ी के सवालों और आकांक्षाओं से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राजीव गांधी के लिए वह विश्वास भारत का युवा था और कमलनाथ को राहुल गांधी की इस पहल में उसी विश्वास की गूंज सुनाई देती है- 'छात्रों की गूंज'।

546 कमलों की पूजा के साथ यमुना जी की महा आरती का हुआ आयोजन

वृन्दावन, जीएनएस।

परिक्रमा मार्ग - गोपाल खार स्थित श्रीराधा प्रसाद धाम में आयोजित 546वें श्री स्वामी हरिदास आविर्भाव महोत्सव के अंतर्गत प्रातःकालीन बेला में भक्ति, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, रसिक भक्तों, समाजसेवियों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।प्रातःकालीन कार्यक्रमों का शुभारंभ कवि सम्मेलन से हुआ।जिसमें राष्ट्रभक्ति, सनातन संस्कृति और ब्रज महिमा पर आधारित काव्य पाठ प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर देश की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त सैनिकों के परिजनों एवं वीर नारियों का सम्मान किया गया। शौर्य चक्र से सम्मानित कैप्टन राकेश शर्मा की माताजी

श्रीमती संतोष शर्मा एवं वीर नारी श्रीमती इंदू शर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।देश रक्षा के लिए कई युद्धो में भाग लेने वाले कैप्टन हरिहर शर्मा का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त शहीद सिपाही मानसिंह के भाई श्याम सुंदर बेनीवाल, शहीद सिपाही बबलू सिंह के भाई सतीश सिंह, शहीद सिपाही ओमप्रकाश सिंह के पुत्र, शहीद सिपाही सोरन सिंह की वीर नारी श्रीमती कमलेश, शहीद नायक रविकरन सिंह की वीर नारी, शहीद सिपाही बादाम सिंह की वीर नारी श्रीमती मुन्नी देवी, शहीद कारपोरल पंकज कुमार की वीर नारी श्रीमती मेघा चौधरी, शहीद सिपाही केदार सिंह की वीर नारी श्रीमती चन्द्रवती तथा शहीद सिपाही सुधीर कुमार की वीर नारी श्रीमती कृष्णा देवी को महामंडलेश्वर स्वामी श्री राधा प्रसाद देव जू महाराज के द्वारा सम्मानित कर उनके त्याग, साहस और राष्ट्रसेवा को नमन किया गया।

साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ÷यूपी रत्न÷ डॉक्टर गोपाल चतुर्वेदी को महामंडलेश्वर स्वामी राधाप्रशाद देव जू महाराज एवं महंत मोहिनी बिहारी महाराज ने ÷सनातन गौरव सम्मान ÷ से अलंकृत किया। साथ ही उनको प्रशस्ति पत्र, ठाकुरजी का पटका-प्रसादी-माला व प्रसाद आदि भेट कर ठाकुर जी से उनके स्वस्थ, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की मंगल कामना की।

सम्मान समारोह के दौरान महंत मोहनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि देश की सीमाओं पर अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम में कन्या संरक्षण एवं संवर्धन, महिला सशक्तिकरण, धर्म रक्षा, समाज सेवा, चिकित्सा, पत्रकारिता और संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभिन्न व्यक्तित्वों को भी सम्मानित किया गया।सत्य, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के लिए कई अखबारों से जुड़े डॉक्टर राधाकांत शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

प्रत्येक बार्ड में 500 पांच सौ दीपक प्रज्वलित किए गए

पोरसा, जीएनएस।

शासन के आदेशानुसार आज नगर पालिका ने आशीर्वाद के 2100 दीपक श्री नागाजी सरोवर में एवं प्रत्येक वार्ड में 500 पांच सौ दीपक प्रज्वलित किए गए। श्री नागाजी सरोवर में नागर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुशमा देवी रामवीर सिंह तोमर,मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर , पूर्व विधायक कमलेश जाटव एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि अशोक सिंह तोमर,हरि शंकर गुप्ता, आंनद सिंह तोमर,बालकिशन वर्मा ,मनोज नामदेव, रंजीत चौरसिया, रामवीर सिंह तोमर, संजय वाल्मीकि ,अधिकार सिंह तोमर,राधा रानी बांदिल , हाकिम सिंह त्यागी ,उपेंद्र नरवरिया ,किशन लाल बंसल ,सौरभ सिंह तोमर ,माधवेंद्र सिंह तोमर, संतोष सिंह तोमर ,बृज किशोर तिवारी, संतोष सिंह तोमर, नंदकिशोर पाथरे, जॉनी वाल्मीकि, धर्मेंद्र वाल्मीकि, जवाहर श्रीवास ,शिवम डंडोतिया आदि के द्वारा श्री नागाजी सरोवर में 2100 आशीर्वाद के दीपक प्रज्वलित किए गए।

मोदीजी के जन्मदिन पर शर्माजी के लड़के ने जड़ा ज्ज20 का सबसे तेज शतक

30गेंद में सैंकड़ा ठोककर अभिषेक शर्मा ने तोड़ा रोहित शर्मा का 35गेंद में शतक का रिकॉर्ड 34गेंद में बनाए 108रन, 11छक्के,9 चौके

एक दीप नशे के अंधकार के विरुद्ध, एक संकल्प नशामुक्त दतिया के लिए – सुरभि जैन

दतिया, जीएनएस।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे ÷सेवा संकल्प अभियान 2026÷ के अंतर्गत आज सामाजिक न्याय कार्यालय के समीप स्थित ठाकुर बाबा मंदिर परिसर में दीपोत्सव एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर नशे के अंधकार को दूर करने और नशामुक्त दतिया बनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरभि जैन के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों को नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों, नशे के विभिन्न प्रकार, नशे से बचाव के उपाय, नशामुक्ति उपचार तथा नशामुक्ति केंद्र में भर्ती होने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई।

युवाओं से किया संवाद

नशे के अंधकार को मिटाने जलाए दीप, नशामुक्त दतिया का लिया संकल्प

जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरभि जैन ने उपस्थित युवाओं से नशामुक्ति विषय पर संवाद करते हुए उन्हें नशीले पदार्थों से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को हाथ में दीपक लेकर नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संचालन विनोद मिश्रा, प्रभारी प्रमुख कलाकार द्वारा किया गया।

एक दीप नशामुक्त दतिया के नाम

दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी ने एक दीप प्रज्वलित कर ÷नशामुक्त दतिया÷ बनाने का संकल्प लिया। दीपों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जनजागरूकता, सामूहिक सहभागिता और निरंतर प्रयासों से नशे के दुष्प्रभावों के अंधकार को दूर किया जा सकता है।

यह आयोजन ÷नशा मुक्त भारत अभियान की छठवीं वर्षगांठ उत्सव÷ के क्रम में भी आयोजित किया गया। जिले में नशामुक्ति के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देने तथा युवाओं एवं समुदाय को अभियान से जोड़ने के लिए आगामी दिनों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति अथवा उनके परिजन सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446 तथा मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की ब्लॉक कोऑर्डिनेटर ज्योति गोस्वामी, जिला समग्र संयोजक नरेंद्र दुबे, संजय निरंजन, आकाश शर्मा, परिवेश शर्मा, कवि मिश्रा, निधि गुप्ता, सीमा दंडोतिया, मयंक तिवारी, विनय चौरसिया, मुरारी नगरजी, अवधेश दुबे, जसवंत बघेल, अमर सिंह सहित अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक नशामुक्ति, जनजागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाएंगी।

श्री विश्वकर्मा गौड़ समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा किया भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन

ग्वालियर, जीएनएस।

श्री भगवान विश्वकर्मा पूजन सामाजिक भूमि रमटा पुरा न. 2 पर। श्री विश्वकर्मा गौड़ समाज विकास समिति ग्वालियर ने 17 सितंबर भगवान विश्वकर्मा के स्वरूप का पूजन व हवन किया, उसके पस्चात भगवान श्री विश्वकर्मा जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें ग्वालियर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह जी एवं बी जे पी ग्वालियर महानगर जिलाध्यक्ष श्री जय प्रकाश राजोरिया जी ने चल समारोह में भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन कर शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ ।शोभायात्रा अचलेश्वर मंदिर से गस्त का ताजिया, दौलतगंज,

महाराज वाड़ा, सराफा बाजार से होते हुए विश्वकर्मा भगवान की आरती कर राम मंदिर पर समापन किया गया ।

श्री विश्वकर्मा गौड़ समाज विकास समिति ने शोभायात्रा में सभी पधारे हुये सदस्यों का आभार व्यक्त किया भगवान जी की इस शोभायात्रा विश्वकर्मा गौड़ समाज के सेंकड़ों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित हुए। जिसमें दो पहिया चार पहिया वाहन शामिल हुये। इसके पश्चात सामाजिक भवन पर भोजन प्रसादी आयोजन हुआ। समिति अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा जी ने बताया। कि पूरे ग्वालियर में ग्वालियर की सबसे पुरानी समिति है शामिल रहे इसमें अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा उपाध्यक्ष छविराज विश्वकर्मा , लखन गौड़ , सचिव आशाराम गौड़ , कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार गौड़ वरिष्ठ समाज सेवी पन्नालाल जगदीश लखन त्रिलोकी नाथ मदनलाल उपेंद्र लच्छीराम जी राम लखन राजू वीरसिंह वासु गोपी राजेश करण सिंह महेंद्र गौड पवन शालू गौरी आदि समाज बंधु उपस्थित हुए।

खिलाड़ियों को खेल किट वितरित कर मनाया प्रधानमंत्री का जन्म दिवस

यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एवं उनके सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित ÷सेवा संकल्प अभियान÷ के अंतर्गत आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्थानीय दर्पण मिनी हॉकी स्टेडियम पर हॉकी खिलाड़ियों को किट वितरित की गई ! सभी खिलाड़ियों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के लिए दीर्घायु एवं यशस्वी होने की कामना की! दर्पण हो कि फीडर सेंटर के प्रभारी हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर ने खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जीवन परिचय एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए उनके कार्यों के बारे में विस्तार से बताया ! कार्यक्रम के अंत में खिलाड़ियों को मिष्ठान वितरित किया गया, इस अवसर पर हॉकी प्रशिक्षक अविनाश भटनागर, श्रीमती संगीता दीक्षित मौजूद रहे !

गहोई वैश्य समाज चुनाव: 9 पदों के लिए 27 प्रत्याशी मैदान में, 4,154 मतदाता 20 को करेंगे फैसला

ग्वालियर, जीएनएस।

श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर (रजि.) ग्वालियर के सत्र 2026-2029 के निर्वाचन की बिसात बिछ चुकी है। आगामी 20 तारीख को होने वाले मतदान में समाज के 4,154 मतदाता नई कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे। निर्वाचन के तहत कुल 9 प्रमुख पदों के लिए 27 प्रत्याशी चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। समाज के सबसे प्रतिष्ठित अध्यक्ष और महामंत्री पद पर चौतरफा मुकाबला देखने को मिल रहा है, जहां दोनों पदों पर 4-4 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव बेहरे ने बताया कि विभिन्न पदों व कार्यकारिणी के लिए कुल 31 नामांकन प्राप्त हुए थे। स्क्रूटनी के बाद अंतिम चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। मतदान निष्पक्ष व पारदर्शी कराने के लिए चुनाव टीम ने पूरी तैयारी कर ली है।

किस पद पर किन प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला

पद-प्रत्याशी

अध्यक्ष-दिलीप तपा, घनश्यामदास कंथारिया, प्रदीप पहारिया, जगदीश गेंडा बिट्ठल

महामंत्री-सुधीर रावत, बाल कृष्ण बिलैया, राजेश सेठ, महेश गेंडा

वरिष्ठ उपाध्यक्ष-इंजी. शिव कुमार चपरा, राजीव कुचिया, नरेन्द्र कुमार सांवला

उपाध्यक्ष-कमलेश डेंगरे, अनिल नीखरा, लक्ष्मी नारायण पहारिया

कोषाध्यक्ष-अजय सेठ, अखिलेश कस्तवार, भवानी शंकर नाहर

संयुक्त मंत्री-धर्मेन्द्र बिलैया, मनीष लहारिया

उपमंत्री-नवीन निगोतिया, विकास नैना

संगठन मंत्री-ज्ञानेंद्र रावत, जगदीश बिजपुरिया, शिवम बिजपुरिया

प्रचार मंत्री-अखिल चुपरा सोनू, दिनेश कनकने, पवन बिलैया

कार्यकारिणी सदस्य-

माधवगंज पंचायत- हरिशंकर तपा, हरिओम पिपरसानिया, प्रवीण रेजा और विजय सेठ के बीच मुकाबला।

खासगी बाजार पंचायत- राहुल पहारिया, धर्मेन्द्र छिरौल्या और संतोष कठि्ल आमने-सामने।

पहचान पत्र के बिना नहीं मिलेगा प्रवेश

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने समाज के सभी बंधुओं से मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सभी मतदाताओं को अपना मूल पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। चुनाव प्रक्रिया सलाहकार सदस्य रामशरण कुचिया, एसके गुप्ता कंथारिया, सहायक निर्वाचन अधिकारी सौरभ अमर, भरत निवास कुरेले, पवन नीखरा, सियाराम निगोती, परमेश्वर दास नीखरा और मीडिया प्रभारी वरुण कस्तवार के सहयोग से संपन्न कराई जा रही है।

रामलीला मंडल मुरार के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए कांग्रेस नेता सौरव गिरीश जैन

आज घडबराइग्रामीणइमंडल के वार्ड 28 मे प्रसिद्ध श्री हनुमान जी महाराज जी के मंदिर बमरौली सरकार प्रांगण मे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर 'आशीर्वाद का दिया' कार्य म के निमित्त दिए जलाकर उनकी दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की।।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री श्री यादव जी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री जी, कार्य म प्रभारी व भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्री जी, डबरा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष श्री जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री कश्ह्यद्धड्ढ स्द्वद्दद्ध ड्ड2ड्ढ जी, भाजपा नेता श्री स्द्धड्ढश्द्ध कड्ढसड्ड जी, श्री ॥द्धद्वड्ढद्ध स्द्धड्ढद्धड्ड जी, श्री जयदेव पलिया जी, श्री ब्रजेन्द्र कुशवाह जी,श्री अतिबल बघेल जी, श्री मुकेश परिहार जी, श्री निहाल रावत जी, मुख्यरूप से उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की

भगवान विश्वकर्मा ने हर निर्माणकर्ता के प्रेरणा स्रोत हैं - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने बाबा घाट में आयोजित विश्वकर्मा जयंती समारोह का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की विधिवत पूजन-अर्चन करके आशीर्वाद प्राप्त किया। विश्वकर्मा जयंती समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में हर निर्माणकर्ता के प्रेरणास्रोत भगवान विश्वकर्मा हैं। देश के हर कल-कारखाने और निर्माण स्थलों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करके उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जा रहा है। भगवान विश्वकर्मा के

आशीर्वाद से ही रीवा में बड़े-बड़े निर्माण कार्य हुए हैं। विश्वकर्मा जयंती के साथ-साथ आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिन भी है। प्रधानमंत्री जी ने अपने कुशल नेतृत्व से देश को विकास की नई ऊंचाई दी है। भारत तेजी से विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की 11वें नम्बर की अर्थव्यवस्था से चौथे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन गया है। हम सब रक्तदान करके और आशीर्वाद के लाखों दीप जलाकर प्रधानमंत्री जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रधानमंत्री जी पर भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद सदैव बना रहे जिससे प्रधानमंत्री जी देश के विकास और नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करते रहें। कार्यक्रम में विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूलाल प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के 7 सेक्टर प्रभारी मनोनीत

सकल ब्राह्मण महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा एवं महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज जी के द्वारा 20 सितंबर को सायं काल ठीक 4-00 बजे प्रधान कार्यालय ऊंट पुल, किताब घर के बगल में ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के सात सेक्टर प्रभारी आज मनोनीत किए गए। जिसमें सुधा दीक्षित, संगीता शर्मा, रेनू शर्मा, रचना गौड़ ,अंजू दीक्षित, डॉक्टर सरिता त्रिपाठी , अनिता योगेंद्र दीक्षित,किरण मिश्रा, शशि शर्मा ,मंजू मिश्रा, प्रीति शर्मा, माया भारद्वाज ,रेखा शर्मा, स्वाति शर्मा , संतोष शर्मा को दायित्व सौंपे गए हैं। 338 ब्राह्मण विवाह योग्य लड़के लड़कियों की जानकारी के साथ होने वाले कार्यक्रम के लिए जो पंजीयन से वंचित रह गए हैं वह आज दिनांक 18 सितंबर की सायंकाल 5-00 बजे से 7-30 बजे तक ब्राह्मण रिश्ता केंद्र पर देवेन्द्र कुमार पाठक जी, डॉ मुन्नालाल शर्मा को अपने पंजीयन निशुल्क करा सकते हैं।

काशीराम कॉलोनी में जर्जर हो रही दीवारें...

मायावती की सरकार में जब उन्हें प्लांट अबाउट कर गए थे तब से लेकर अब जब सरकार आई है वहां पर मकान की हालत से लेकर गंदगी का भंडार आज देखने को मिला है वही कंटाप न्यूज़ की टीम मौके पर पहुंच कर जनता से वार्तालाप की तो जनता ने अपना गुस्सा उबालकर कहां की यहां पर रहने की स्थिति तो छोड़ो इतनी बदबू आती है कुछ कहने की बात नहीं यहां पर मौजूदा सरकार जो विकास के नाम पर काम कर रही है सबका विकास सबका साथ जो नारा दिया है फेल होता नजर आ रहा है वही कुछ लोगों ने भी बात करी गई तब कुछ लोगों की समस्या ऐसी थी जो सालों साल तक पेंडिंग पड़ी हुई है विकलांग व्यक्ति की 1 साल से पेंशन अधिकारी से लेकर नेता तक चक्कर काटने के बाद भी उनकी पेंशन नहीं बनवाई गई सरकार तो आती जाती रहेंगे पर काम के नाम पर पर काम भी एक भी नहीं किया सरकार ने सिर्फ जनता को लूटने का काम किया है आने वाले 2027 में विधानसभा चुनाव आ रहे हैं उसमें सभी नेता हर वर्ग की पार्टी का नेता वोट मांगने के लिए आएगा पर इस बार जनता ने ठान लिया है कि इस बार भाजपा को वोट न देकर इस बार हम बदलाव होना चाहिए 9 तारीख की विधायक लगातार भाजपा से जीते उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना नेवी वहां पर दौरा नहीं किया अभी हालांकि में कुछ महीने पहले मेयर साहब अर्चना भरवाने अभी रोड कहां से उद्घाटन किया जब वहां पर लोगों से बातचीत करी गई तब लोगों ने बताया कि तो जनता ने बताया कि यह सफाई के नाम पर कोई नहीं आता है क्योंकि सरकार में कई बार एप्लीकेशन भेजिए मुख्यमंत्री से लेकर दम तक का एप्लीकेशन भेजने के बाद डीएम साहब ने कहा कि मेरे पास बजट नहीं है जब हमारे कल देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन था सभी लोगों ने सफाई अभियान चलाया पर वहां नहीं देखा काशीराम कॉलोनी में इतनी गंदगी है वहां पर कार्यकर्ताओं का अभियान क्यों नहीं चलाया सिर्फ फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर डालना उचित नहीं है जमीनी हकीकत देखी वहां की हालात इतने बुरे हैं की जनता इतना परेशान हो चुकी है कि वह बिल्डिंग इतनी जर्जर हो तो के कभी भी गिर सकती है इसका जिम्मेदार कौन है आने वाले विधानसभा 2027 में कांटे के टक्कर होने जा रही है

काशीराम कॉलोनी लोगों ने कहा कि जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं तब तक वोट नहीं क्योंकि हम पक्के बीजेपी के वोटर है अबकी बार भाजपा की सरकार में काशीराम कॉलोनी में जो घर बने हुए हैं उसकी मरम्मत अभी तक नहीं हुई कई बार चक्कर काटने के बाद भी सिर्फ लहरा दिया जाता है बड़ा नहीं इतने बड़े-बड़े बजट सरकार लेकर आती है पर इस काशीराम कॉलोनी जो लोग रह रहे हैं उसे पर कोई नहीं ध्यान दे रहा है यह तो आने वाला समय जनता वोट देखकर जवाब देगा।

ातिकारी पत्रकार कल्याण संघ द्वारा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मोत्सव जनसंपर्क मुख्यालय बाणगंगा भोपाल के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर हवन किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से अध्यक्ष डॉ कृष्णानन्द शास्त्री, अरुण शुक्ला,शम्भदयाल मालवीय, शान भाई शानू, प्रभावती शाक्य, श्री मती एकता, र ई स भाई, गंगाधर मलाजपुरे, श्याम मिश्रा सहित सैकड़ों पत्रकारों ने मोदी जी को बधाईयां दीं।

सौंसरा की जागृति शुक्ला की कहानी ने रचा नया इतिहास, बहुप्रतीक्षित फिल्म के टीजर ने मचाई धूम

दबोह, जीएनएस। मध्य प्रदेश के भिंड जिले की लहार तहसील के छोटे से गांव सौंसरा की बेटी जागृति शुक्ला की लेखनी अब बड़े पर्दे तक पहुंच गई है। जागृति शुक्ला द्वारा लिखी गई कहानी पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म के टीजर ने रिलीज होते ही दर्शकों और सिनेमा जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

गांव की मिट्टी से निकलकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा के दम पर भारतीय सिनेमा तक पहुंच बनाने वाली जागृति शुक्ला की यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय बनी हुई है। फिल्म के टीजर में कहानी की झलक ने दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी है और

सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों पर इसकी चर्चा देखने को मिल रही है।

जागृति की इस सफलता ने यह संदेश भी दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती। छोटे कस्बों और गांवों से निकलने वाली कहानियां भी अपनी संवेदनशीलता, मौलिकता और प्रभाव के दम पर व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंच सकती हैं।

सौंसरा गांव से लेकर भारतीय सिनेमा के मंच तक का यह सफर जागृति शुक्ला के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे लहार क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। स्थानीय लोगों और साहित्य एवं कला से जुड़े लोगों में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह है।

अब दर्शकों की निगाहें फिल्म के आगामी रिलीज और पूरी कहानी पर टिकी हैं। टीजर के बाद फिल्म को लेकर बढ़ी उत्सुकता ने यह उम्मीद जगाई है कि जागृति शुक्ला की कहानी बड़े पर्दे पर भी अपनी अलग पहचान बनाने में सफल होगी। सौंसरा की बेटी की कलम से निकली कहानी का भारतीय सिनेमा तक पहुंचना, निश्चित रूप से लहार की प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता को नई पहचान देने वाली उपलब्धि है।

रावतपुरा सरकार संस्कृत विद्यालय में छात्रों के स्वास्थ्य की जांच, चिकित्सकों ने दिए आवश्यक परामर्श

रावतपुरा धाम। श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत विद्यालय, रावतपुरा सरकार धाम में छात्रों के स्वास्थ्य एवं उत्तम जीवन के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लहार बीएमओ डॉ. विजय शर्मा द्वारा विद्यालय के समस्त छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सक द्वारा छात्रों के सामान्य स्वास्थ्य, शारीरिक स्थिति, वजन सहित स्वास्थ्य से जुड़े आवश्यक बिंदुओं की जांच की गई। जांच के दौरान छात्रों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए खान-पान, नियमित दिनचर्या, साफ-सफाई तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित आवश्यक सुझाव एवं परामर्श भी प्रदान किया गया।

डॉ. विजय शर्मा(क्र्ख्ह)लहार ने छात्रों को स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय परिवार की ओर से डॉ. विजय शर्मा एवं उनकी चिकित्सा टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय परिवार ने कहा कि विद्यार्थियों के स्वस्थ रहने से उनके अध्ययन एवं सर्वांगीण विकास पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा तथा छात्रों ने भी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी छात्रों के स्वास्थ्य एवं जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही।

÷स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और स्वस्थ विचारों का वास होता है।÷

भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है

विद्या की अधिष्ठात्री माँ शारदा की पावन नगरी में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर मैहर में इन दिनों भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। विद्यालय परिसर में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी महाराज विराजमान हैं, जिनका विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन-अर्चन किया जा रहा है।ज्ञात हो कि सरस्वती शिशु मंदिर न केवल उत्कृष्ट शिक्षा और अनुशासन के लिए जाना जाता है, बल्कि सनातनी संस्कार, भारतीय परंपरा और धार्मिक त्योहारों के सुंदर आयोजन के लिए भी पूरे जिले में विख्यात है।विद्यालय में भगवान गणेश के विराजमान होने से विद्यार्थियों में बौद्धिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास हो रहा है। ऐसी मान्यता है कि प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की कृपा से विद्यार्थियों के सभी विघ्न दूर होते हैं और विद्या-बुद्धि में वृद्धि होती है।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य महोदय सहित समस्त आचार्य परिवारउपस्थित रहा। सबसे अलौकिक और सारगर्भित बात यह है कि कक्षा के भैया एवं बहनों द्वारा क्रमबद्ध रूप से कक्षावार नित्य पूजन, मंत्र पाठ एवं आरती की जा रही है, जो बच्चों में नेतृत्व, अनुशासन और भक्ति के संस्कारों को विकसित कर रही है।सरस्वती शिशु मंदिर का यह प्रयास निश्चित ही शिक्षा के साथ संस्कार का अनुपम उदाहरण है।सच्चे मन से बोलिए गणेश भगवान की जय।

प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान, ग्वालियर के विधि विभाग में स्वर्गीय श्री न्यायमूर्ति एम.ए. शाह की स्मृति में 'द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय विधि सेमिनार' का हुआ भव्य उद्घाटन

ग्वालियर, जीएनएस। प्रेस्टीज प्रबंधन एवं शोध संस्थान, ग्वालियर के विधि विभाग द्वारा दिनांक 18 से 19 सितंबर 2026 तक स्वर्गीय श्री न्यायमूर्ति एम.ए. शाह की स्मृति में दो दिवसीय ÷द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय विधि सेमिनार÷ का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार के प्रथम दिवस 18 सितंबर 2026 को उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का मुख्य विषय कानून, प्रौद्योगिकी, सतत विकास, सुशासन एवं आर्थिक विकास में अंतर-अनुशासनिक दृष्टिकोण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, तत्पश्चात अतिथियों का पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विधि, प्रौद्योगिकी, सतत विकास, सुशासन एवं आर्थिक विकास जैसे परस्पर जुड़े क्षेत्रों में उभर रही चुनौतियों एवं संभावनाओं पर अंतर-अनुशासनिक दृष्टिकोण से विचार-विमर्श करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षाविदों एवं विधि व्यवसायियों को एक ऐसा मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे बदलते वैश्विक परिदृश्य में कानूनी ढांचे को अधिक समावेशी,

तकनीक-अनुकूल एवं भविष्योन्मुखी बनाने हेतु नवीन विचारों एवं शोध-आधारित समाधानों का आदान-प्रदान कर सकें। प्रो. (डॉ.) रतन सिंह , मुख्य अतिथि एवं कुलगुरु, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, पटियाला ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक विकास एवं सुशासन की स्थिरता के लिए विधिक संस्थानों को समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतर-अनुशासनिक शोध के प्रति प्रोत्साहित किया तथा संस्थान के इस प्रयास की सराहना की। प्रो. (डॉ.) एस. अली नवाज़ ज़ैदी , प्रोफेसर, विधि विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में सेमिनार के विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास ने कानूनी ढांचे के समक्ष नई चुनौतियां एवं संभावनाएं प्रस्तुत की हैं, तथा सतत विकास एवं सुशासन को सुनिश्चित करने के लिए विधिक व्यवस्था को समयानुकूल एवं अंतर-अनुशासनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

श्री कुबेर बोध, अधिवक्ता, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत ने सम्मानित अतिथि (गेस्ट ऑफ ऑनर) के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्वीकरण एवं तकनीकी परिवर्तन के इस दौर में विधिक व्यवस्था को अंतरराष्टीय मानकों के अनुरूप सशक्त एवं समयानुकूल बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध एवं व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से विधि क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु प्रेरित किया। श्री एफ.ए. शाह , अधिवक्ता, माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, ग्वालियर ने अपने संबोधन में कहा कि विधि के विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक न्यायिक प्रक्रियाओं की भी गहन समझ होनी चाहिए। उन्होंने स्वर्गीय न्यायमूर्ति शाह के न्यायिक जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए विद्यार्थियों को नैतिकता एवं निष्ठा के साथ विधि व्यवसाय अपनाने की प्रेरणा दी। प्रो. (डॉ.) राखी सिंह चौहान , प्राचार्या, विधि विभाग, पीआईएमआर ने अपने स्वागत भाषण एवं उद्घाटन उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में विधि, प्रौद्योगिकी, सुशासन एवं सतत विकास के मध्य समन्वय स्थापित करना समय की मांग है, तथा यह संगोष्ठी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को इन अंतर-अनुशासनिक विषयों पर गहन चिंतन का अवसर प्रदान करेगी।

गांधी जयंती से प्रदेशभर में मनाया जाएगा 'मद्य निषेध सप्ताह'

2 से 8 अक्टूबर तक होंगी जन-जागरूकता गतिविधियां, नशामुक्ति के लिए दिलाई जाएगी शपथ

शिवपुरी, जीएनएस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक ÷मद्य निषेध सप्ताह÷ मनाया जाएगा। सप्ताह के दौरान नशामुक्ति रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, ग्राम सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ऑनलाइन शपथ सहित विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग आयुक्त श्री के.जी. तिवारी ने सभी कलेक्टरों, जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा विभागीय संयुक्त एवं उप संचालकों को सप्ताह के आयोजन के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। निर्देशानुसार जिले में भी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रमों में विभाग से मान्यता प्राप्त अशासकीय संस्थाओं, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, आध्यात्मिक संस्थाओं तथा नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रहे संगठनों का सहयोग लिया जाएगा।

मद्य निषेध सप्ताह का प्रमुख उद्देश्य समाज में बढ़ती मद्यपान की प्रवृत्ति तथा नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों को जागरूक करना है। सप्ताह के दौरान स्कूलों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों सहित विभिन्न वर्गों को ÷नशा न करेंगे, न करने देंगे÷ की शपथ भी दिलाई जाएगी।

2 अक्टूबर = नशामुक्ति रैली और प्रदर्शनी

सप्ताह के पहले दिन महात्मा गांधी जयंती पर नशामुक्ति के लिए जन-जागरूकता रैलियां निकाली जाएंगी और नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जाएगा। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए नशामुक्ति पर आधारित पोस्टर, फोटो और चित्र प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रमों में शामिल नागरिकों को नशा नहीं करने की ऑनलाइन शपथ दिलाई जाएगी।

3 अक्टूबर = शैक्षणिक प्रतियोगिताएं और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

दूसरे दिन स्थानीय विद्यालयों और महाविद्यालयों में नशामुक्ति विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं, संवाद तथा संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आवासीय नशामुक्ति केंद्रों में नशा पीड़ित व्यक्तियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर लगाए जाएंगे।

शिविरों में नशा पीड़ितों की एचआईवी-एड्स, टीबी और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जांच में पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों के समुचित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

4 अक्टूबर =ग्राम सभाओं में नशामुक्त गांव का संकल्प

तीसरे दिन ग्राम सभाओं में गांवों को नशामुक्त बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। पारित प्रस्तावों का पालन सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्ति संबंधी साहित्य, पोस्टर, पेम्फलेट और अन्य प्रचार सामग्री का वितरण किया जाएगा। ग्राम सभाओं में उपस्थित ग्रामीणों को नशामुक्ति की ऑनलाइन शपथ भी दिलाई जाएगी।

5 अक्टूबर = सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता

चौथे दिन ग्राम और नगरीय स्तर पर स्थानीय व्हाट्सऐप समूह बनाए जाएंगे। इन समूहों के माध्यम से नशामुक्ति के संदेश, जागरूकता सामग्री और लघु फिल्में नागरिकों तक पहुंचाई जाएंगी। सोशल मीडिया के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

6 अक्टूबर = महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी

पांचवें दिन महिला स्व-सहायता समूहों और शौर्या दलों द्वारा स्थानीय स्तर पर नशामुक्ति संदेश के प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाया जाएगा। महिलाओं को परिवार और समाज में नशे के कारण होने वाले आर्थिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। महिला समूह समुदाय को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

7 अक्टूबर = स्कूल-कॉलेजों में ऑनलाइन शपथ

छठवें दिन ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में नशामुक्ति अभियान के लिए तैयार किए गए स्थानीय मास्टर वॉलंटियर और ÷नशामुक्ति मित्र÷ स्कूलों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन नशामुक्ति शपथ दिलाएंगे। युवाओं को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया जाएगा।

मद्य निषेध सप्ताह के अंतिम दिन जिलास्तरीय समापन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें नशामुक्ति पर आधारित नाटक, नृत्य, संगीत और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां होंगी। सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

ऑनलाइन पोर्टल पर दिलाई जाएगी शपथ

सप्ताह के प्रत्येक दिन आयोजित कार्यक्रमों में शामिल विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और नागरिकों को भारत सरकार के नशामुक्त भारत अभियान के ऑनलाइन पोर्टल पर ई-प्लेज के माध्यम से नशा नहीं करने की शपथ दिलाई जाएगी। इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रमों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं विकास, महिला एवं बाल विकास, पुलिस तथा जनसम्पर्क विभाग सहित संबंधित संस्थाओं का सहयोग रहेगा।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)

E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 1862/3-6/खनि/क्यू.एल. 593/2026 शिवपुरी, दिनांक 18.09.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कपिल उपाध्याय पुत्र श्री मुकेश उपाध्याय निवासी ग्राम अमरपुर पोस्ट ऐंचवाडा शिवपुरी द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील कोलारस के ग्राम सेसई सड़क की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 76/24 रकवा 1.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर मुरूम खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 11.09.2026 प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त (शासकीय भूमि) के निम्नानुसार क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा प्राप्त करने एवं दावा/आपत्ति हेतु दिनांक 18/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन प्रस्तुत पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाऐंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकवा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	कोलारस	सेसई सड़क	76/24	1.00	1.00	शासकीय	मुरूम	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-18781/26

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के साथ ही उनके द्वारा रोपे गये पौधे का भी मनाया जन्मदिन

श्योपुर। शासकीय कन्या हाईस्कूल कराहल में आज देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिवस विद्यालयीन छात्राओं द्वारा उत्सवपूर्वक मनाया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा अपने विद्यालय परिसर में रोपे गये पीपल के पौधे के तीन वर्ष पूर्ण होने पर पौधे का जन्मदिन भी मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयीन छात्राओं द्वारा न केवल कैक काटकर एक दूसरे को जन्मदिवस की बधाई दी गई, बल्कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के कर कमलो से रोपे गये पौधे पीपल की पूजा अर्चना भी की गई। इस दौरान बीईओ श्री एमपी मौर्य सहित विद्यालय का स्टॉफ उपस्थित था। 17 सितंबर 2022 को चीता प्रोजेक्ट की शुरूआत करने कूनो नेशनल पार्क आये, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आदिवासी विकासखण्ड कराहल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शासकीय कन्या हाईस्कूल परिसर में पीपल का पौधा रोपा गया था।

अंतर्राज्यीय गिरोह के 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में किया गया है मशरूका बरामद

हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलर्स दुकान में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी लूटे थे।

विरोध करने पर बदमाशों ने की थी फायरिंग, जिसमें दुकान का कर्मचारी हुआ था घायल।

घटना के बाद रक्षा शियाज केएम ने तत्काल टीमें गठित कर कई राज्यों में पुलिस को किया था अलर्ट।

सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई थी शुरू।

पुलिस ने अनपरा के पास पीछा कर दो आरोपियों लकी पासवान एवं अनुराग चंद्रवंशी को किया है गिरफ्तार।

उत्तरप्रदेश पुलिस की मदद से तीसरे आरोपी रोशन कुमार को किया है गिरफ्तार, जो जवाबी फायरिंग में हुआ था घायल।

आरोपियों के कब्जे से 200.7 ग्राम सोने एवं 205.410 ग्राम चांदी के आभूषण किए हैं बरामद।

इसके साथ ही 1,04,200 रुपये नगद, 02 अपाचे मोटरसाइकिल एवं एक मोबाइल,वारदात में प्रयुक्त 01 पिस्टल एवं 02 कट्टे भी किए हैं जब्त। शेष आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें विभिन्न राज्यों में की गई हैं रवाना। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी एवं शेष मशरूका बरामद करने की कार्रवाई जारी है।

रक्तदान के प्रति जागरूक है श्योपुर के लोग - आयुक्त नगरीय विकास

श्योपुर, जीएनएस। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा श्योपुर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए आयुक्त नगरीय विकास, आवास श्री संकेत भोडवे ने कहा कि श्योपुर में रक्तदान के प्रति जिस प्रकार की जागरूकता है, वह प्रशंसनीय है, श्योपुर जिले में रक्तदान के प्रति आम लोगों में जागरूकता प्रेरणा का विषय है, जिस प्रकार यहां लोग रक्तदान के लिए सदैव तत्पर रहते है और ब्लड बैंक में डिमांड के अनुसार कभी कमी नही आने देते, इसके लिए श्योपुर के लोग न केवल बधाई के पात्र है, बल्कि उनका यह संकल्प रक्तदान के लिए प्रेरित करने वाला है।

जिला चिकित्सालय के सभागार में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय एवं श्री बृजराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया, श्री कैलाशनारायण गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, भाजपा जिला महामंत्री श्री संजय अकोदिया, रेडक्रॉस चेयरमैन श्री अमित सूद, सचिव श्री दिनेश दुबोलिया, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री मोनू सोनी, सांसद प्रतिनिधि श्री सुजीत गर्ग, एसडीएम श्री गगन मीणा, नगर मंडल अध्यक्ष श्री संजय मंगल, सीएमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार, सिविल सर्जन डॉ एसएन बिंदल, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ आरबी गोयल, श्री महावीर गुप्ता, प्रबंध समिति सदस्य श्रीमती मिथलेश तोमर, श्रीमती नेहा कुलश्रेष्ठ, श्रीमती निर्मला आचार्य, श्री मनोज सर्राफ, श्री वीके सक्सैना, श्री कृष्णकांत उपाध्याय, श्री खेमराज दुबे, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री ललित जागिड सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, पार्षदगण, रक्तदाता तथा गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

सेवा संकल्प अभियान के लिए शासन की ओर से श्योपुर जिले के लिए नामांकित नोडल अधिकारी आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास श्री संकेत भोडवे ने कहा कि रक्तदाताओं के माध्यम से श्योपुर जिले के थैलेसिमीया से पीडित बच्चों को नियमित रूप से ब्लड चढाने की जो व्यवस्था बनाई गई है, वह अत्यन्त ही प्रेरणादायी है। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि यूं तो सभी दान श्रेष्ठ है लेकिन रक्तदान सर्वश्रेष्ठ दान है। रक्त की कमी से जूझते मरीज को आप के द्वारा दान किए रक्त से ही नया जीवन प्राप्त होता है। रक्त के इस सर्वश्रेष्ठ दान को जीवनदान भी कहा जाता है।

जलावर्धन योजना की समीक्षा के साथ ही निर्माण कार्य देखे

श्योपुर। आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास श्री संकेत भोडवे द्वारा बडौदा और श्योपुर नगर के लिए पेयजल व्यवस्था हेतु संचालित जलावर्धन योजना की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी एमपीयूडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मार्च 2027 तक योजना का कार्य पूर्ण कर लिया जायें। इस दौरान उन्होंने योजना में हुई अब तक की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में उपस्थित एमपीयूडीसी के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री शिवकुमार उपाध्याय ने बताया कि जलावर्धन योजना अंतर्गत 64 प्रतिशत कार्य हो चुका है। 11 ओवर हैंड टेंक में से 9 ओवर हैंड टेंक पूर्णता की ओर है। उन्होंने बताया कि बडोदिया बिंदी में इंटेवैल तथा बनडी में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने का कार्य भी जारी है। पार्वती नदी पर एनीकेट बनाने हेतु राजस्थान सरकार से अनुमति की प्रक्रिया अंतिम स्टेज पर है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं पूजा यादव पत्नी श्री लवकुश यादव निवासी कृष्णा कॉलोनी चिरवाई ग्वालियर सर्वजन को सूचित करती हूँ कि मेरा विवाह पूर्व में धर्मवीर प्रजापति पुत्र श्री कालीचरण प्रजापति से हुआ था, आपसी मतभेद के कारण न्यायालय अतिरिक्त प्रधान न्यासधीश कुटुम्ब न्यायालय ग्वालियर से प्रकरण क्रमांक 367/2025 द्वारा धर्मवीर प्रजापति से मेरा तलाक हो चुका है। मेरा पुर्नविवाह लवकुश यादव पुत्र श्री राकेश यादव से हो गया है। मेरी पूर्व शादी से तीन बच्चे हैं जिनके नाम क्रमशः अदविक यादव, वंशिका प्रजापति, भव्यता प्रजापति है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे तीनों बच्चों के शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड इत्यादि में उनके पिता का नाम धर्मवीर प्रजापति के स्थान पर लवकुश यादव एवं मेरा नाम पूजा यादव पत्नी श्री लवकुश यादव के नाम से जाना पहचाना, पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

पुराना नाम
पूजा प्रजापति पत्नी
श्री धर्मवीर प्रजापति

नया नाम
पूजा यादव पत्नी
श्री लवकुश यादव

दतिया मेडिकल कॉलेज में सीएमई, सफेद दाग की आधुनिक शल्य चिकित्सा पर भी हुई महत्वपूर्ण चर्चा

त्वचा रोगों की पहचान से इलाज तक, विशेषज्ञों ने बताए नए तरीके

दतिया जीएनएस

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया के त्वचा एवं कुष्ठ रोग विभाग की ओर से 17 सितंबर को नवीन ओपीडी भवन की दूसरी मंजिल स्थित एलटी-5 में सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों और चिकित्सा विद्यार्थियों को त्वचा रोगों के आधुनिक निदान एवं उपचार से संबंधित नवीन जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सीएमई के उद्देश्य और कार्यक्रम की रूपरेखा सीनियर रेजिडेंट डॉ. उज्जवल झारिया ने प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रशांत हरित ने अतिथियों का स्वागत किया।

सीएमई में ग्वालियर के सीनियर कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट एवं डर्मेटोलॉजी सोसायटी ऑफ ग्वालियर के अध्यक्ष डॉ. ध्रुव प्रेमी अग्रवाल ने 'डिफरेंशियल डायग्नोसिस इन डर्मेटोलॉजी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न त्वचा रोगों की पहचान में चिकित्सकीय परीक्षण और व्यवस्थित निदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके बाद जीआरएमसी मेडिकल कॉलेज ग्वालियर के सीनियर कंसल्टेंट डर्मेटोलॉजिस्ट एवं डर्मेटोलॉजी सोसायटी ऑफ ग्वालियर के सचिव डॉ. योगेश सिंह कसेडिया ने 'विटिलिगो सर्जरी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विटिलिगो में शल्य चिकित्सा की आधुनिक तकनीकों और उनके उपयोग से संबंधित जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों के साथ प्रश्न-उत्तर सत्र भी हुआ। इसमें प्रतिभागियों ने त्वचा रोगों से जुड़े विभिन्न चिकित्सकीय विषयों पर चर्चा की। जीएमसी दतिया के डीन एवं सीईओ डॉ. दीपक सिंह मरावी ने मुख्य संबोधन में प्रतिभागियों को संबोधित किया। अंत में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपक अर्गल ने आभार व्यक्त किया।

आयोजन में डॉ. प्रशांत हरित आयोजन अध्यक्ष, डॉ. केपी बरैठिया संयुक्त सचिव और डॉ. दीपक अर्गल आयोजन सचिव रहे। समन्वयक की भूमिका डॉ. उज्जवल झारिया एवं डॉ. नीरज धाकड़ ने निभाई।

सीएमई के माध्यम से प्रतिभागियों को त्वचा रोगों के आधुनिक निदान और विटिलिगो के शल्य प्रबंधन से जुड़ी उपयोगी एवं व्यावहारिक जानकारी मिली।

राधाष्टमी पर महाराजा महासेन महिला समिति का रंगारंग आयोजन, महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

कृष्ण संग राधा ने गोपियों के साथ किया नृत्य

ग्वालियर जीएनएस

महाराजा महासेन महिला समिति की ओर से राधाष्टमी के अवसर पर निजी होटल में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाज की करीब 50 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राधाष्टमी की थीम पर महिलाओं ने राधा-कृष्ण और गोपियों का रूप धारण कर भक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। नृत्य के दौरान ऐसा माहौल बना कि कार्यक्रम स्थल वृंदावन की छटा से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। पिलो गेम में मीना गुप्ता ने प्रथम, पूनम गुप्ता ने द्वितीय और सीमा बंसल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जोड़ी गेम में अलका एवं प्रीति की जोड़ी प्रथम रही, जबकि सुमन गोयल ने द्वितीय और नीतू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉइन गेम प्रतियोगिता में रीता गुप्ता प्रथम, रंजना गुप्ता द्वितीय और सीमा गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और आयोजन का आनंद उठाया।

कार्यक्रम के समापन पर समिति की अध्यक्ष ममता गोयल, उपाध्यक्ष आशा गोयल एवं सचिव अर्चना गागिल ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। महिलाओं ने राधाष्टमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को उत्साह और उमंग से भरा बताया।

टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के स्थल निरीक्षण पर सिंधिया का स्वागत आज

ग्वालियर जीएनएस। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार को साडा क्षेत्र में स्थापित होने वाले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करेंगे। स्थल निरीक्षण के लिए जाते समय एबी रोड, मुरैना पर उनका स्वागत किया जाएगा। वार्ड 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर एवं ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के जनसेवक गिर्राज सिंह गुर्जर के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे होटल पुष्पराज के पास, होटल शुभम रिजॉर्ट से पहले एबी रोड पर होगा।

पुलिस ने युवक को पकड़ा, घर से चोरी की बाइक बरामद

सीसीटीवी फुटेज से खुला वाहन चोरी का मामला, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

भितरवार थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की और मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ लिया।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम और चोरी गए वाहनों की बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने थाना प्रभारियों को वाहन चोरी के मामलों में आरोपियों की धरपकड़ और वाहनों की बरामदगी के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में एसडीओपी भितरवार गगन हनवत के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बलवीर मावई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भितरवार थाने के अपराध क्रमांक 369/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत चोरी गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

सात सेक्टर प्रभारियों ने ली शपथ, पांडे, पटसारिया और शर्मा का होगा सम्मान

ब्राह्मण परिचय सम्मेलन में 338 विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा की जानकारी

ग्वालियर जीएनएस

सकल ब्राह्मण महा समिति के प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर शुक्रवार को ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के सात सेक्टर प्रभारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज की अध्यक्षता में हुआ। समिति की ओर से बताया गया कि 20 सितंबर को शाम 4 से 6 बजे तक होने वाले ब्राह्मण परिचय सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों के 338 बायोडाटा की जानकारी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इनमें 90 युवतियों और 248 युवकों के बायोडाटा शामिल हैं।

कार्यक्रम में ब्राह्मण जीवन ज्योति परिचय सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, गुना, मप्र सनाढ्य सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. केशव पांडे और कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र पटसारिया को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा।

सात सेक्टर प्रभारियों संगीता शर्मा, रेनू शर्मा, माया भारद्वाज, किरण त्रिवेदी, डॉ. सरिता त्रिपाठी, स्वाति शर्मा और मंजू मिश्रा ने 338 बायोडाटा वाली स्मारिका हाथ में लेकर शपथ ली। उन्होंने परिचय सम्मेलन को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने और समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों को उचित मंच उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री डॉ. मुन्नालाल शर्मा ने किया। इस दौरान केबी दुबे, एचबी शर्मा, कार्यालय मंत्री देवेंद्र कुमार पाठक और कोषाध्यक्ष योगेंद्र दीक्षित ने भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने आजीवन सदस्यों को एकजुट करने का संकल्प लिया। आभार प्रकाश नारायण शर्मा और संगीता शर्मा ने व्यक्त किया।

आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में रोपे औषधीय पौधे

ग्वालियर जीएनएस। भारत विकास परिषद रामकृष्ण शाखा ग्वालियर की ओर से शासकीय आयुर्वेदिक स्वशासी महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिषद के प्रांतीय संगठन सचिव एवं शाखा संस्थापक सतीश जैन, डॉ. प्रवीण चिरगैयां, महेश सिंह भदौरिया, अंकिता छिरौलिया, प्रमोद सिंह जादौन, प्रेम नारायण गुप्ता और लाल सिंह कुशवाह सहित सदस्य मौजूद रहे। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. केएल शर्मा सहित प्राध्यापकों व कर्मचारियों ने भी सहभागिता की।

नाम परिवर्तन सूचना

वर्तमान में मेरा नाम आकाश जैन (AKASH JAIN) है, यही नाम मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज आदि दस्तावेजों में दर्ज है, अब मैं अपना नाम आकाश जैन (AKASH JAIN) से बदलकर ललित जैन (LALIT JAIN) रख रहा हूं। यही नाम मेरे मूल निवासी प्रमाण पत्र में दर्ज है। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम आकाश जैन (AKASH JAIN) के स्थान पर ललित जैन (LALIT JAIN) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावें।

पुराना नाम
आकाश जैन
(AKASH JAIN)

नया नाम : ललित जैन (LALIT JAIN)
पुत्र श्री दिलीप जैन
निवासी – जैन मंदिर के पास, गुड़ा-गुड़ी का नाका
लश्कर, ग्वालियर

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।